# व्याकरण सुमन

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप

3

अशोक कुमार गुप्ता
एम० ए०

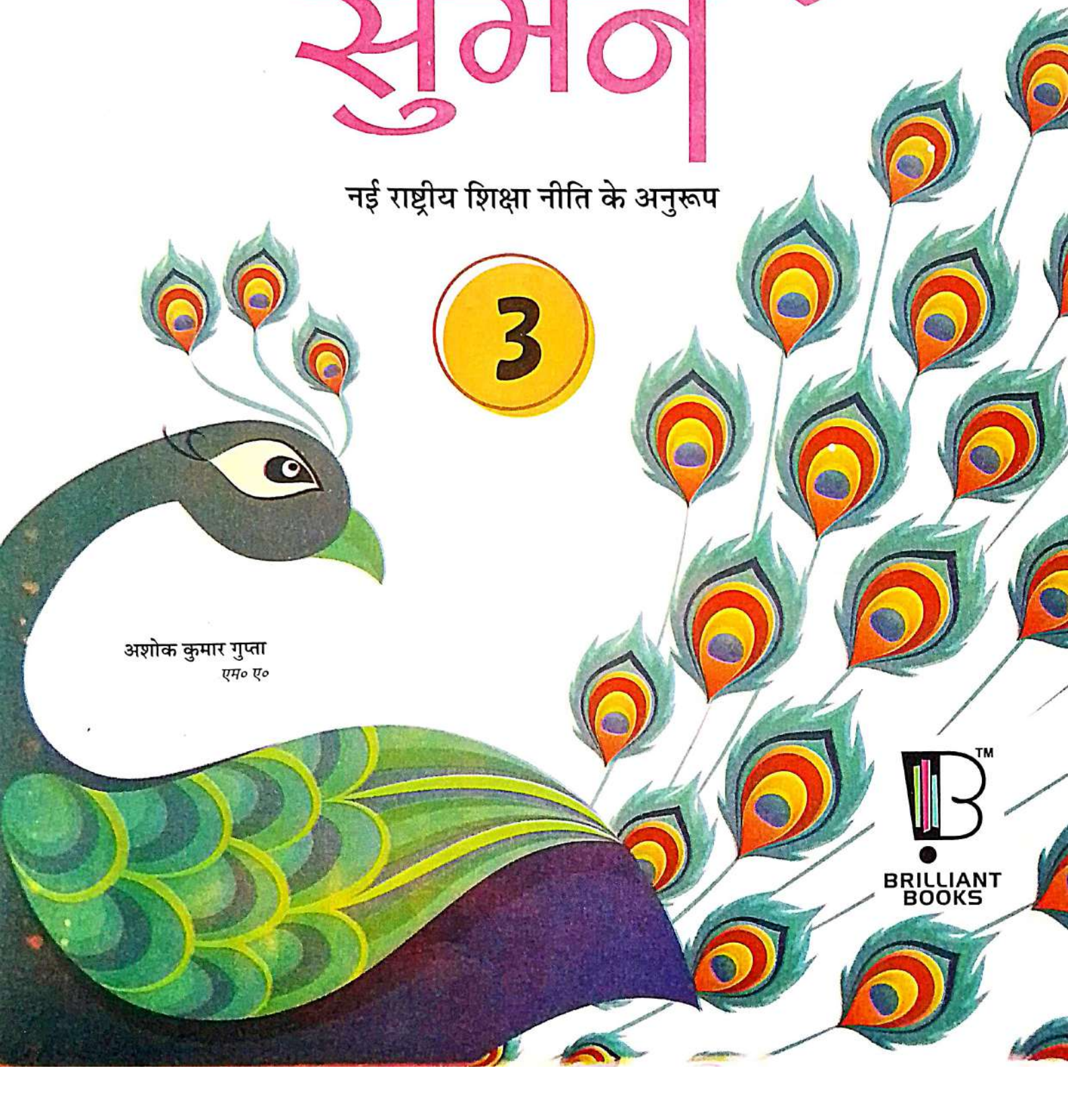

BRILLIANT BOOKS

# विषय-सूची


1. भाषा और व्याकरण
   Language and Grammar ... 03
2. वर्ण और वर्णमाला
   Letters and Alphabet ... 06
3. मात्राएँ, शब्द और वाक्य
   Vowel Symbols, Word and Sentence ... 10
4. संज्ञा
   Noun ... 15
5. लिंग
   Gender ... 19
6. वचन
   Number ... 23
7. सर्वनाम
   Pronoun ... 27
8. विशेषण
   Adjective ... 31
9. क्रिया
   Verb ... 35
10. विराम-चिह्न
    Punctuation Marks ... 40
11. अशुद्धि-शोधन
    Correction of Mistakes ... 42
12. विलोम शब्द
    Antonyms ... 44
13. पर्यायवाची शब्द
    Synonyms ... 47
14. अनेकार्थक शब्द
    Words With Different Meanings ... 50
15. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
    One Word Substitution ... 52
16. मुहावरे
    Idioms ... 55
17. संवाद-लेखन
    Dialogue-Writing ... 58
18. पत्र-लेखन
    Letter-Writing ... 60
19. कहानी-लेखन
    Story-Writing ... 63
20. निबन्ध-लेखन
    Essay-Writing ... 68
21. अपठित गद्यांश
    Unseen Passage ... 71

- Periodic Test : Term-1 ... 75
- Half-Yearly Test Paper ... 76
- Periodic Test : Term-2 ... 78
- Annual Test Paper ... 79



BRILLIANT BOOKS™
A-9, झिलमिल इण्डस्ट्रियल एरिया,
दिलशाद गार्डन मेट्रो स्टेशन के पीछे,
दिल्ली-110 095
email : info@brilliantbooks.co.in
www.brilliantbooks.co.in
Tollfree : 1800 270 1317





© प्रकाशकाधीन

*कला कार्य*
मलय चक्रवर्ती

प्रकाशक एवं मुद्रक
विद्या प्रकाशन मन्दिर प्रा० लि०



इस पुस्तक को यथासम्भव शुद्ध एवं त्रुटिरहित रूप में प्रस्तुत करने का प्रत्येक सम्भव प्रयास किया गया है; फिर भी इसमें कोई कमी अथवा त्रुटि रह गयी हो तो उससे कारित क्षति एवं सन्ताप के लिए लेखक, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई दायित्व नहीं होगा। प्राप्त सुझावों अथवा त्रुटियों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जायेगा।

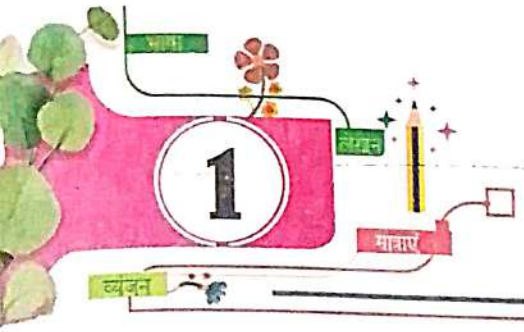

# 1 भाषा और व्याकरण
## Language and Grammar

### भाषा (Language)

अपने मन के भावों और विचारों को दूसरों तक पहुँचाने तथा दूसरों के मन के भावों और विचारों को जानने के लिए जिस साधन का प्रयोग किया जाता है उसे भाषा कहते हैं। भाषा हमारे दैनिक जीवन में बहुत उपयोगी होती है। हम भाषा को बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपनी बातें दूसरों को समझाते अथवा दूसरों की बातों को समझ लेते हैं।

इस प्रकार भाषा के मुख्यत: दो रूप होते हैं—

1. मौखिक भाषा तथा 2. लिखित भाषा।




### 1. मौखिक भाषा (Oral Language)

जब हम अपने विचार मुख से बोलकर प्रकट करते हैं तो भाषा के उस रूप को मौखिक भाषा कहते हैं।

चित्र में माँ और बेटा बोलकर अपने मन की बात प्रकट कर रहे हैं और सुनकर एक-दूसरे की बात समझ रहे हैं।

### 2. लिखित भाषा (Written Language)

जब हम अपने विचार लिखकर प्रकट करते हैं तो भाषा के उस रूप को लिखित भाषा कहते हैं।

चित्र में बालिका पत्र लिखकर अपने मन की बात प्रकट कर रही है और उसकी नानी पत्र पढ़कर बालिका के मन की बात समझ रही हैं।

विश्व में सैकड़ों भाषाएँ बोली जाती हैं। जापान के लोग जापानी बोलते हैं, रूस के लोग रूसी बोलते हैं, चीन के लोग चीनी बोलते हैं। इंग्लैण्ड में लोग अंग्रेज़ी बोलते हैं, फ्रांस में फ्रांसीसी बोलते हैं। अरबी, फ़ारसी, स्पेनिश आदि संसार की अन्य भाषाएँ हैं।

भारत के भिन्न-भिन्न प्रान्तों में भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं। असम के लोग असमिया, ओडिशा के लोग ओड़िया और आन्ध्र प्रदेश के लोग तेलुगु बोलते हैं। तमिलनाडु में तमिल, केरल में मलयालम, कर्नाटक में कन्नड़, महाराष्ट्र में मराठी, गुजरात में गुजराती, पंजाब में पंजाबी और पश्चिम बंगाल में बांग्ला बोली जाती है, लेकिन हिन्दी भारत की राजभाषा है।

## लिपि (Script)

जब हम किसी भाषा को बोलते हैं तो हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं। इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है। हिन्दी भाषा में अ, आ, इ, ····, औ तथा क, ख, ग, ·····, ह आदि ध्वनियाँ हैं। इन ध्वनियों को मिलाकर जब हम लिखकर व्यक्त करते हैं तो वह लिपि कहलाती है। अलग-अलग भाषाएँ अलग-अलग लिपियों में लिखी जाती हैं।

- हिन्दी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है।
- अंग्रेज़ी रोमन लिपि में लिखी जाती है।
- उर्दू फ़ारसी लिपि में लिखी जाती है।
- पंजाबी गुरुमुखी लिपि में लिखी जाती है।

## व्याकरण (Grammar)

जिस ज्ञान से हम भाषा को शुद्ध बोलना और लिखना सीखते हैं, उसे व्याकरण कहते हैं। हर भाषा का अपना व्याकरण होता है। व्याकरण भाषा के लिए नियम बनाता है। नियमों का ज्ञान होने पर ही हम भाषा को शुद्ध रूप में बोलना और लिखना सीखते हैं।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) भाषा कहते हैं—

(i) अनेक प्रकार के संकेतों को

(ii) पढ़ने के ढंग को

(iii) विचारों तथा भावों के आदान-प्रदान को

(ख) भाषा के रूप हैं—

(i) चार (ii) दो (iii) तीन

(ग) व्याकरण का ज्ञान आवश्यक है, क्योंकि यह—

(i) भाषा को सुंदरता प्रदान करता है

(ii) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है

(iii) भाषा को बोलना और लिखना सिखाता है

(घ) लिपि कहते हैं—

(i) लिखने के चिह्नों (ढंग) को

(ii) भाषा के शुद्ध ज्ञान को

(iii) भाषा की सबसे छोटी इकाई को

2. चित्रों को देखिए और प्रत्येक के नीचे भाषा के रूप के आधार पर लिखित अथवा मौखिक लिखिए—

.....

.....

.....

.....

3. भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के नाम लिखिए—

| | | |
|---|---|---|
| ..... रा ठी | पं ..... ..... | ..... ज ..... ..... |
| ..... दी | ..... ..... ला | |

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) मन के भावों को व्यक्त करने का साधन ..... है।

(ख) जब हम अपने विचार लिखकर व्यक्त करते हैं तो वह ..... भाषा कहलाती है।

(ग) जब हम अपने विचार बोलकर व्यक्त करते हैं तो वह ..... भाषा कहलाती है।

(घ) ..... हमारी राजभाषा है।

(ङ) भाषा को लिखने, पढ़ने व बोलने का तरीका हमें ..... सिखाता है।

5. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) भाषा किसे कहते हैं ?

(ख) भाषा के कौन-कौन से रूप होते हैं ?

(ग) मातृभाषा किसे कहते हैं ?

(घ) बोली से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) लिपि क्या होती है ?

(च) व्याकरण किसे कहते हैं ?

# 2

# वर्ण और वर्णमाला
## Letters and Alphabet

दिन भर हम बहुत-सी ध्वनियाँ सुनते हैं—

जब हम बोलते हैं तो हमारे मुख से भी कई ध्वनियाँ निकलती हैं; जैसे—'मैडम' शब्द की ध्वनि है—म् + ऐ + ड् + अ + म् + आ। इस प्रकार एक शब्द 'मैडम' में मुख से छः ध्वनियाँ निकलीं।

हमारे मुख से निकली ध्वनियों से ही भाषा बनती है। इन ध्वनियों को जब लिखा जाता है तो ये वर्ण कहलाती हैं। वर्ण भाषा की सबसे छोटी ध्वनि होती है। इसके टुकड़े नहीं किए जा सकते।

जिस ध्वनि के टुकड़े न हो सकें, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।

### वर्णों के प्रकार (Types of Letters)

वर्ण दो प्रकार के होते हैं—1. स्वर तथा 2. व्यंजन।

### 1. स्वर (Vowels)

हिन्दी में ग्यारह स्वर होते हैं। स्वरों का उच्चारण बिना किसी वर्ण की सहायता के किया जाता है।

| | | |
|---|---|---|
| अनुस्वार | (ं) | अं |
| विसर्ग | (:) | अः |
| अनुनासिक/चंद्रबिन्दु | (ँ) | अँ |

} ये वर्ण न तो स्वर होते हैं और न व्यंजन। इन्हें अयोगवाह कहते हैं।

आपने झंडा, तिरंगा, हँस आदि शब्दों में (ं), (ँ) चिह्न देखे। ये अनुस्वार और अनुनासिक कहलाते हैं। विसर्ग (:) का उच्चारण 'ह' के समान होता है; जैसे—प्रातः।

## 2. व्यंजन (Consonants)

हिन्दी में तेंतीस व्यंजन होते हैं। व्यंजनों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है।

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कवर्ग | क | ख | ग | घ | ङ | |
| चवर्ग | च | छ | ज | झ | ञ | |
| टवर्ग | ट | ठ | ड | ढ | ण | |
| तवर्ग | त | थ | द | ध | न | |
| पवर्ग | प | फ | ब | भ | म | = 25 |
| अंत:स्थ | य | र | ल | व | | = 4 |
| ऊष्म | श | ष | स | ह | | = 4 |

➡ हिन्दी में दो विशेष वर्ण 'ड़' और 'ढ़' भी होते हैं।

### वर्णमाला (Alphabet)

स्वर और व्यंजन को मिलाकर हिन्दी की वर्णमाला बनती है। सब भाषाओं की अपनी-अपनी वर्णमाला होती है। हिन्दी वर्णमाला में 11 स्वर और 33 व्यंजन मिलाकर कुल 44 वर्ण तथा अंग्रेज़ी वर्णमाला में 26 वर्ण होते हैं।

वर्णमाला में भाषा के सारे वर्ण एक निश्चित क्रम में होते हैं—अ, आ, इ, ई, ···, क, ख, ग, ···, स, ह।

### संयुक्त व्यंजन (Compound Consonants)

बच्चो, हिन्दी भाषा में क्ष, त्र, ज्ञ, श्र—ये चार संयुक्त व्यंजन होते हैं। ये दो व्यंजनों को जोड़कर बनते हैं इसलिए संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

मेरी कक्षा में चालीस बच्चे हैं।

क्ष = क् + ष = कक्षा

शिवजी के पास हमेशा त्रिशूल रहता है।

त्र = त् + र = त्रिशूल

भारत में बहुत बड़े-बड़े ज्ञानी हैं।

ज्ञ = ज् + ञ = ज्ञानी

श्रमिक पत्थर तोड़ रहा है।

श्र = श् + र = श्रमिक

## कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) वर्ण किसे कहते हैं ?

(i) लिखने के चिह्न को ◯ (ii) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को ◯

(iii) वर्णों के समूह को ◯

(ख) वर्ण कितने प्रकार के होते हैं ?

(i) चार ◯ (ii) दो ◯ (iii) तीन ◯

(ग) वर्णमाला किसे कहते हैं ?

(i) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को ◯ (ii) शब्दों के समूह को ◯ (iii) ध्वनियों के समूह को ◯

(घ) हिन्दी वर्णमाला में वर्णों की संख्या कितनी है?

(i) 52 ◯ (ii) 44 ◯ (iii) 35 ◯

2. आप नीचे लिखे वर्णों में से स्वर तथा व्यंजन छाँटकर लिखने में नलिनी की सहायता कीजिए—



अ, च, इ, उ, प, य, र, ऋ, घ, ए, श, ओ

| स्वर | | व्यंजन | |
|---|---|---|---|
| ............... | ............... | ............... | ............... |
| ............... | ............... | ............... | ............... |
| ............... | ............... | ............... | ............... |

3. वर्णमाला के अनुसार बीच में छूटा वर्ण भरिए—

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज | ☐ | ञ | ई | ☐ | ऊ | ट | ☐ | ड |
| प | ☐ | ब | य | ☐ | ल | ष | ☐ | ह |

4. चित्रों को देखिए और अनुस्वार (ं) या चंद्रबिन्दु (ँ) लगाकर उपयुक्त शब्द बनाइए—



तागा

साप

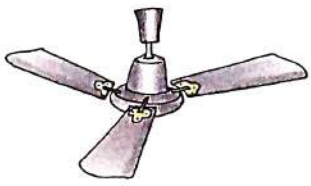



पखा

अगूर

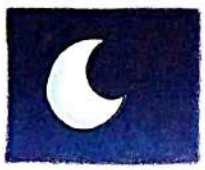



चाद

बासुरी

कघा

घटा

5. नीचे दिए गए संयुक्त वर्णों से बने दो-दो शब्द लिखिए—

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| क्ष | ..... | ..... | ज्ञ | ..... | ..... |
| त्र | ..... | ..... | श्र | ..... | ..... |

6. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) भाषा की सबसे ..... ध्वनि को ..... कहते हैं।

(ख) हिन्दी के वर्णों को ..... वर्गों में बाँटा गया है।

(ग) जिन ध्वनियों का उच्चारण करते समय किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं ली जाती, उन्हें ..... कहते हैं।

(घ) हिन्दी में ..... स्वर हैं।

(ङ) वर्णों के व्यवस्थित समूह को ..... कहते हैं।

दो
वर्णमाला
ग्यारह
वर्ण
छोटी
स्वर

7. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वर्ण किसे कहते हैं ? ये कितने प्रकार के होते हैं ?

(ख) वर्णमाला क्या होती है ?

(ग) व्यंजन के भेदों के नाम लिखिए।

(घ) संयुक्त व्यंजन से आप क्या समझते हैं ?

8. आप अपना और अपने किन्हीं चार मित्रों के नाम तथा उनकी ध्वनियाँ लिखिए—

| | नाम | | ध्वनि |
|---|---|---|---|
| | शिवानी | = | श् + इ + व + आ + न् + ई |
| (क) | ..... | = | ..... |
| (ख) | ..... | = | ..... |
| (ग) | ..... | = | ..... |
| (घ) | ..... | = | ..... |
| (ङ) | ..... | = | ..... |

# 3

# मात्राएँ, शब्द और वाक्य
## Vowel Symbols, Word and Sentence

### मात्राएँ (Vowel Symbols)

स्वरों को व्यंजनों के साथ लिखते समय स्वर पूरे नहीं लिखे जाते, बल्कि इनके चिह्न व्यंजनों के साथ लिखे जाते हैं। स्वरों का यह बदला हुआ रूप (चिह्न) ही मात्रा कहलाता है।

| स्वर | मात्रा | व्यंजन + स्वर | मात्रा सहित व्यंजन | शब्द |
|---|---|---|---|---|
| अ | — | क् + अ | क | कमल   |
| आ | ा | क् + आ | का | कागज़  |
| इ | ि | क् + इ | कि | किला   |
| ई | ी | क् + ई | की | कील   |
| उ | ु | क् + उ | कु | कुली   |
| ऊ | ू | क् + ऊ | कू | कूड़ा   |
| ऋ | ृ | क् + ऋ | कृ | कृषक   |
| ए | े | क् + ए | के | केला   |
| ऐ | ै | क् + ऐ | कै | कैमरा   |
| ओ | ो | क् + ओ | को | कोयल   |
| औ | ौ | क् + औ | कौ | कौआ   |

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि—

- प्रत्येक स्वर के लिए उसकी एक मात्रा निश्चित है। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।
- आ, ई, ओ तथा औ की मात्राएँ व्यंजन के बाद लगती हैं।
- इ की मात्रा व्यंजन से पहले लगती है।
- उ, ऊ और ऋ की मात्राएँ व्यंजन के नीचे लगती हैं।
- ए तथा ऐ की मात्राएँ व्यंजन के ऊपर लगती हैं।

र के साथ उ या ऊ की मात्रा उसके पेट में लगती है; जैसे—

| | |
|---|---|
| र + उ = रु | रुई, रुपया |
| र + ऊ = रू | रूमाल, अमरूद |

इनके अतिरिक्त तीन अयोगवाह की मात्राएँ भी होती हैं—

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| अनुस्वार | ं | — | रंग | हंस |
| विसर्ग | : | — | प्रात: | नम: |
| अनुनासिक | ँ | — | चाँद | आँख |

## शब्द (Word)

दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं, परन्तु उन शब्दों का कोई अर्थ अवश्य होना चाहिए; जैसे—

घ् + ओ + ड़् + आ = घोड़ा

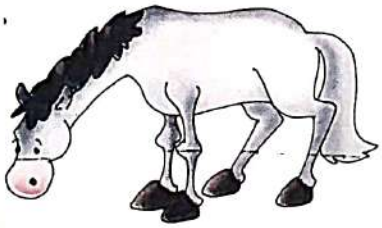

ल् + आ + ल् + अ + क् + इ + ल् + आ = लालकिला

ड् + आ + क् + इ + य् + आ = डाकिया

यहाँ घोड़ा से एक पशु, लालकिला से एक इमारत तथा डाकिया से एक व्यक्ति-विशेष का बोध हो रहा है। अत: ये शब्द हैं।

## वाक्य (Sentence)

दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं, परंतु उन वाक्यों का कोई अर्थ अवश्य होना चाहिए; जैसे—

बच्चे + मैदान + में + क्रिकेट + खेल + रहे + हैं। *(सात शब्दों का समूह)*

= बच्चे मैदान में क्रिकेट खेल रहे हैं। *(वाक्य)*

एक वाक्य के लिए शब्दों का सही क्रम में होना आवश्यक है। उपर्युक्त सात शब्दों से बना शब्द-समूह इस प्रकार भी हो सकता है—

क्रिकेट में मैदान रहे बच्चे हैं खेल

इस शब्द-समूह से पूरी बात समझ में नहीं आती और न ही इसका कोई स्पष्ट अर्थ निकलता है। अत: यह वाक्य नहीं होगा।

## वाक्य के अंग (Parts of a Sentence)

वाक्य के दो अंग होते हैं—1. उद्देश्य (Subject) तथा 2. विधेय (Predicate)।

**1. उद्देश्य (Subject)**—वाक्य में कर्ता के बारे में सूचना देने वाला भाग उद्देश्य कहलाता है; जैसे—

(क) निकिता निबंध लिख रही है।

(ख) ईशान समाचार सुन रहा है।

**2. विधेय (Predicate)**—वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'निकिता' व 'ईशान' उद्देश्य हैं तथा 'निबंध लिख रही है' एवं 'समाचार सुन रहा है' विधेय हैं।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) किस स्वर की मात्रा व्यंजन के नीचे लगती है ?

(i) इ (ii) ऋ (iii) ऐ

(ख) कौन-से स्वर की मात्रा नहीं होती है ?

(i) अ (ii) आ (iii) इ

(ग) शब्द कहलाता है—

(i) एक से अधिक वर्णों का सार्थक समूह (ii) वर्णों का स्वतंत्र समूह

(iii) एक से अधिक ध्वनियों का समूह

(घ) वाक्य कहते हैं—

(i) शब्दों के सार्थक समूह को ⬭ (ii) वाक्य के तत्वों को ⬭

(iii) वर्णों के समूह को ⬭

(ङ) वाक्य के कितने भाग होते हैं ?

(i) दो ⬭ (ii) तीन ⬭ (iii) चार ⬭

2. नीचे दिए गए चित्रों को पहचानकर शब्द पूरे कीजिए—

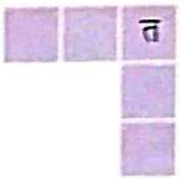

3. गलत मात्रा वाले शब्द के आगे गलत (✗) तथा सही मात्रा वाले शब्द के आगे सही (✓) का चिह्न लगाइए—

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| कोआ | ☐ | तितली | ☐ | भालु | ☐ |
| रुपया | ☐ | परिक्षा | ☐ | सैनिक | ☐ |

4. इन ध्वनियों को जोड़कर शब्द बनाइए—

| ध्वनियाँ | शब्द |
|---|---|
| (क) त् + ओ + त् + आ | .................................. |
| (ख) घ् + ओ + ड़् + ई | .................................. |
| (ग) म् + आ + ल् + आ | .................................. |
| (घ) भ् + आ + ल् + ऊ | .................................. |
| (ङ) क् + इ + त् + आ + ब् + अ | .................................. |

5. नीचे दिए गए शब्द-समूहों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए—

(क) चाहिए करनी सैर प्रात:काल .....

(ख) विद्यालय रहेगा बंद कल .....

(ग) ऊँचा हिमालय सबसे पर्वत है .....

(घ) कैसी चाहिए तुम्हें कमीज़ .....

(ङ) में रंग-बिरंगे बगीचे हैं फूल .....

6. नीचे दिए गए वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए—

| | उद्देश्य | विधेय |
|---|---|---|
| (क) धोबी कपड़े धोता है। | ..... | ..... |
| (ख) मोहित कक्षा में प्रथम आया। | ..... | ..... |
| (ग) फुटबॉल एक मज़ेदार खेल है। | ..... | ..... |
| (घ) माली ने फूलों की माला बनाई। | ..... | ..... |
| (ङ) दादी माँ मिठाई बना रही हैं। | ..... | ..... |

7. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) किस स्वर की मात्रा नहीं होती ?

(ख) 'इ' स्वर की मात्रा किस ओर लगती है ? उदाहरण दीजिए।

(ग) कौन-सी मात्राएँ दाईं ओर लगती हैं? उदाहरण दीजिए।

(घ) कौन-सी मात्राएँ नीचे लगती हैं ?

(ङ) शब्द किसे कहते हैं ?

(च) वाक्य से आप क्या समझते हैं ? इसके कितने भाग होते हैं ?

# 4

# संज्ञा
## Noun

वे शब्द जो किसी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव आदि के नाम का बोध कराते हैं, संज्ञा कहलाते हैं। इस प्रकार सभी का कोई-न-कोई नाम होता है। यही नाम इनकी पहचान है।

नाम कई तरह के होते हैं—

**प्राणियों के नाम—**

कल्पना चावला

मोर

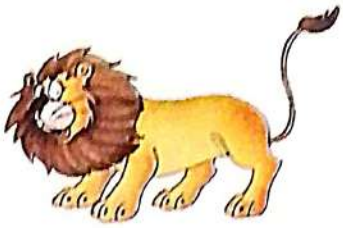

शेर

**वस्तुओं के नाम—**

कंप्यूटर

पुस्तक

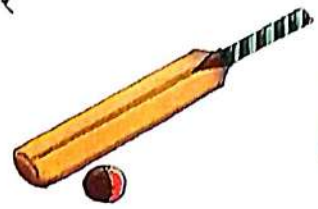

बल्ला और गेंद

पलंग

**स्थानों के नाम—**

बगीचा

पाठशाला

**इमारतों के नाम—**

कुतुबमीनार

इंडिया गेट

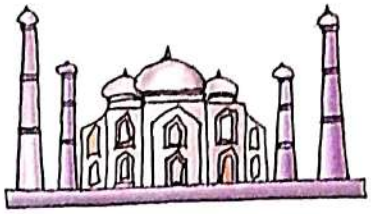

ताजमहल

**भावों के नाम—**

सुंदरता

बचपन

प्यार

## संज्ञा के भेद (Kinds of Noun)

संज्ञा के तीन भेद होते हैं—1. व्यक्तिवाचक, 2. जातिवाचक तथा 3. भाववाचक।

### 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)

जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे—

शिवाजी

रामायण

मुंबई

कुतुबमीनार

### 2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)

जिस शब्द से किसी एक जाति या वर्ग के सभी प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे—

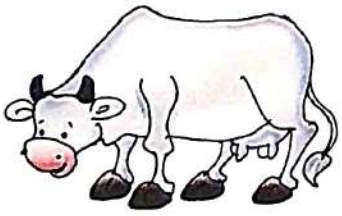

गाय

कुर्सी

पर्वत

नदी

### 3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun)

जिस शब्द से किसी प्राणी या वस्तु की स्थिति, भाव और दशा आदि का बोध हो, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे—

खुशी

लंबाई

हँसी

गर्मी

# कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) संज्ञा कहते हैं—

(i) वर्णमाला को ◯ (ii) शब्द-समूह को ◯

(iii) किसी भी प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव आदि के नाम को ◯

(ख) जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है—

(i) पशु ◯ (ii) ताजमहल ◯ (iii) बचपन ◯

(ग) 'गंगा' शब्द किस प्रकार की संज्ञा है ?

(i) जातिवाचक ◯ (ii) व्यक्तिवाचक ◯ (iii) भाववाचक ◯

(घ) जिन संज्ञा शब्दों से भाव, गुण या दशा का बोध हो, उन्हें कैसी संज्ञा कहते हैं ?

(i) जातिवाचक ◯ (ii) व्यक्तिवाचक ◯ (iii) भाववाचक ◯

2. संज्ञा शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए—

.................. उड़ रही है। रवि .................. पढ़ रहा है। .................. फूल पर बैठी है।

लड़की .................. फुला रही है। .................. पर बर्फ़ जमी है। .................. फ़ोन पर बात कर रही है।

3. जो संज्ञा शब्द नहीं है, उसके आगे गलत (✗) का निशान लगाइए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| **उदाहरण**—चाय ☐ | पानी ☐ | जाना ☒ | गाड़ी ☐ |
| (क) कुर्सी ☐ | घूमना ☐ | मेज़ ☐ | ताला ☐ |
| (ख) चाकू ☐ | मंदिर ☐ | माता ☐ | काला ☐ |
| (ग) जल्दी ☐ | जहाज़ ☐ | बंदर ☐ | कंप्यूटर ☐ |

(घ) जूता ☐ पुस्तकालय ☐ नीचे ☐ गाय ☐

(ङ) सुंदर ☐ मोबाइल ☐ गेंदा ☐ कमरा ☐

4. नीचे लिखे वाक्यों में से संज्ञा शब्द छाँटकर उसके सही संज्ञा-भेद के नीचे लिखिए—

| वाक्य | व्यक्तिवाचक | जातिवाचक | भाववाचक |
|---|---|---|---|
| (क) राधा खिलौने से खेल रही है। | ..... | ..... | ..... |
| (ख) आज बहुत गर्मी है। | ..... | ..... | ..... |
| (ग) पिता जी आगरा गए हैं। | ..... | ..... | ..... |
| (घ) छात्र पढ़ रहे हैं। | ..... | ..... | ..... |
| (ङ) आज पाठशाला बंद है। | ..... | ..... | ..... |

5. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) संज्ञा किसे कहते हैं ?

(ख) संज्ञा के कौन-कौन से भेद होते हैं ?

(ग) जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं ?

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं ?

6. दो समूहों में बँट जाइए। बारी-बारी से अपनी कक्षा में नज़र आने वाले संज्ञा शब्द बताइए। जो सबसे ज़्यादा शब्द बताएगा, वह समूह जीत जाएगा। तो शुरू करो झटपट!

7. दिए गए संकेतों की सहायता से संज्ञा शब्दों की सीढ़ी पूरी कीजिए—

सीधे (→)

1. यह सेना में काम करता है।
5. यह नाव चलाता है।
8. एक मेवा, जो खाने के काम आता है।
7. एक फल का नाम।
3. यह समुद्र में उठती है।

ऊपर से नीचे (↓)

6. इसे हम पहनते हैं।
4. एक लड़की का नाम है।
2. यह पानी में उगता है।
7. यह तोलने के काम आता है।

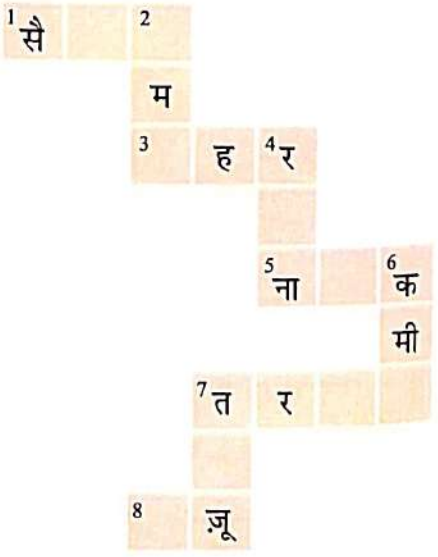

# 5 लिंग Gender

इस संसार में जो भी प्राणी, वस्तुएँ या स्थान हैं, वे सभी पुरुष या स्त्री-जाति के होते हैं। शब्द के जिस रूप या चिह्न से पता चले कि वह शब्द पुरुष-जाति या स्त्री-जाति का है, उसे लिंग कहते हैं।

राजा

रानी

दादा

दादी

शेर

शेरनी

मोर

मोरनी

वेजान वस्तुएँ भी या तो पुल्लिग होती हैं या स्त्रीलिंग—

गुड्डा

गुड़िया

दरवाज़ा

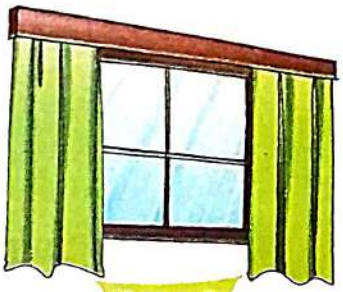
खिड़की

पार्क

झोंपड़ी

आम

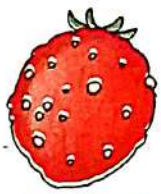
लीची

अब कुछ और शब्दों के लिंग जानिए—

| पुल्लिंग | स्त्रीलिंग |
|---|---|
| पिता | माता |
| भाई | बहन |
| छात्र | छात्रा |
| हाथी | हथिनी |
| सेठ | सेठानी |
| चूहा | चुहिया |
| बकरा | बकरी |
| धोबी | धोबिन |
| पुत्र | पुत्री |
| शिक्षक | शिक्षिका |

| पुल्लिंग | स्त्रीलिंग |
|---|---|
| लड़का | लड़की |
| ऊँट | ऊँटनी |
| चाचा | चाची |
| डिब्बा | डिबिया |
| नाना | नानी |
| माली | मालिन |
| बूढ़ा | बुढ़िया |
| टोकरा | टोकरी |
| श्रीमान | श्रीमती |
| अभिनेता | अभिनेत्री |

- मेरा/मेरी, तुम्हारा/तुम्हारी, किसका/किसकी, उसका/उसकी, सबका/सबकी आदि जोड़कर भी लिंग की पहचान होती है; जैसे—मेरा बस्ता, मेरी गुड़िया।
- क्रिया से भी लिंग की पहचान होती है; जैसे—कुत्ता आया। बकरी आती है।
- सभी नदियाँ स्त्रीलिंग होती हैं; जैसे—गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, कावेरी।
- सभी भाषाओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे—हिन्दी, अंग्रेज़ी, गुजराती, तमिल, उर्दू।
- कुछ शब्द सदैव पुल्लिंग होते हैं; जैसे— कौआ, तोता, बगुला, उल्लू, चीता, भेड़िया, मच्छर।
- कुछ शब्द सदैव स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे—बतख, चील, गिलहरी, तितली, मक्खी।

## लिंग के भेद (Kinds of Gender)

हिन्दी में लिंग के दो भेद होते हैं—1. पुल्लिंग तथा 2. स्त्रीलिंग।

### 1. पुल्लिंग (Masculine Gender)

जो शब्द पुरुष-जाति का बोध कराते हैं, वे पुल्लिंग होते हैं; जैसे—

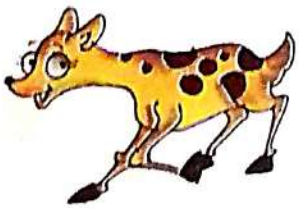

हिरन

मुर्गा

नौकर

## 2. स्त्रीलिंग (Feminine Gender)

जो शब्द स्त्री-जाति का बोध कराते हैं, वे स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे—

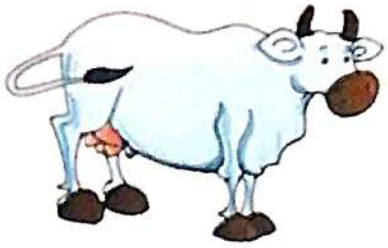

गाय

दादी

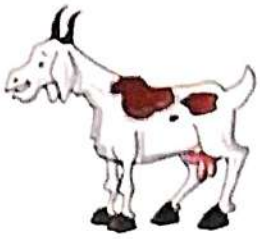

बकरी

- जो वस्तुएँ सजीव नहीं हैं, उनके पुल्लिग-स्त्रीलिंग होने का पता वाक्य से चलता है; जैसे—

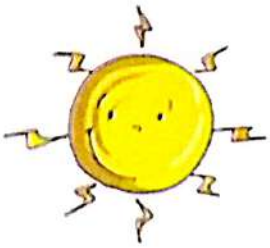

सूरज चमक रहा है।

किताब खुली है।

गमले में फूल खिला है।

चप्पल रखी है।

यहाँ सूरज व फूल पुल्लिग और किताब व चप्पल स्त्रीलिंग हैं।

1. सही उत्तर पर सही ( ✓ ) का चिह्न लगाइए—

(क) लिंग कहते हैं—

(i) संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों को

(ii) जिन शब्दों से स्त्री-जाति व पुरुष-जाति का बोध हो

(iii) वे शब्द जिनसे कार्य के होने का पता चले

(ख) हिन्दी में लिंग के भेद हैं—

(i) चार (ii) दो (iii) पाँच

(ग) नदियों के नाम सदा होते हैं—

(i) स्त्रीलिंग (ii) पुल्लिग (iii) सर्वनाम

(घ) 'शिक्षक' शब्द का स्त्रीलिंग होगा—

(i) शिक्षकी (ii) शिक्षका (iii) शिक्षिका

2. ये संज्ञाएं पुल्लिंग हैं या स्त्रीलिंग? सही (✓) का चिह्न लगाइए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) धोबी | पुल्लिंग / स्त्रीलिंग | (ख) कटोरी | पुल्लिंग / स्त्रीलिंग |
| (ग) किला | पुल्लिंग / स्त्रीलिंग | (घ) चादर | पुल्लिंग / स्त्रीलिंग |
| (ङ) कविता | पुल्लिंग / स्त्रीलिंग | (च) चाँद | पुल्लिंग / स्त्रीलिंग |

3. बताइए, ये पुल्लिंग हैं या स्त्रीलिंग? रेखा खींचकर मिलाइए—

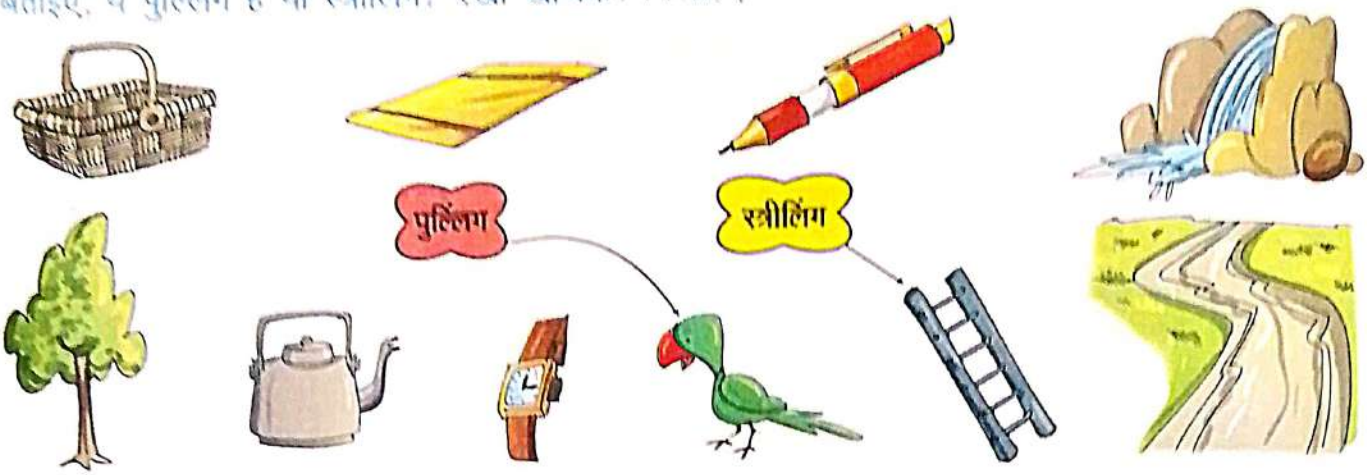


4. पुल्लिंग शब्दों का स्त्रीलिंग शब्दों से मिलान कीजिए—

| | |
|---|---|
| पड़ोसी | सेठानी |
| सेठ | गायिका |
| गायक | औरत |
| आदमी | माता |
| पिता | पड़ोसिन |

5. नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखिए—

(क) नौकर घर का काम कर रहा है। .....

(ख) उसका बेटा बहुत पढ़ता है। .....

(ग) पिता जी आराम कर रहे हैं। .....

(घ) अध्यापक जी बच्चों को पढ़ा रहे हैं। .....

(ङ) सेठ जी बहुत मोटे हैं। .....

6. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) लिंग किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं?

(ख) जो चिह्न स्त्री-जाति का ज्ञान करवाते हैं उन्हें क्या कहते हैं?

(ग) पुल्लिंग से आप क्या समझते हैं?

(घ) कौन-से शब्द हमेशा स्त्रीलिंग होते हैं?

# 6

# वचन
# Number

जिस शब्द-रूप से संज्ञा के एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

देखिए, पढ़िए और समझिए—

लड़का

लड़के

तितली

तितलियाँ

गेंद

गेंदें

माला

मालाएँ

यहाँ पर लड़का, गेंद, तितली और माला एक संख्या का ज्ञान करा रहे हैं; जबकि लड़के, गेंदें, तितलियाँ और मालाएँ अनेक संख्याओं का बोध करा रहे हैं। एक या अनेक को व्यक्त कराने वाले ये शब्द ही वचन कहलाते हैं।

## वचन के भेद (Kinds of Number)

वचन के दो भेद होते हैं—1. एकवचन तथा 2. बहुवचन।

### 1. एकवचन (Singular Number)

शब्द के जिस रूप से वस्तु, व्यक्ति या किसी प्राणी के एक होने का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं।

### 2. बहुवचन (Plural Number)

शब्द के जिस रूप से अनेक वस्तुओं, व्यक्तियों या अनेक प्राणियों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।

अब, कुछ और एकवचन तथा बहुवचन शब्द जानिए—

| एकवचन | बहुवचन |
|---|---|
| केला | केले |
| बस्ता | बस्ते |
| जूता | जूते |
| पेंसिल | पेंसिले |
| बच्चा | बच्चे |
| पंखा | पंखे |
| घोड़ा | घोड़े |
| तोता | तोते |

| एकवचन | बहुवचन |
|---|---|
| जाति | जातियाँ |
| जुराब | जुराबें |
| मेज़ | मेज़ें |
| चादर | चादरें |
| रात | रातें |
| कविता | कविताएँ |
| महिला | महिलाएँ |
| नदी | नदियाँ |

| एकवचन | बहुवचन |
|---|---|
| रोटी | रोटियाँ |
| दवाई | दवाइयाँ |
| मक्खी | मक्खियाँ |
| बिल्ली | बिल्लियाँ |
| कहानी | कहानियाँ |
| लड़की | लड़कियाँ |
| चुहिया | चुहियाँ |
| चिड़िया | चिड़ियाँ |

ध्यान दें कि वचन बदलते समय कई बार शब्दों का रूप बदलता है; जैसे—

थैला *(एकवचन)*—थैले *(बहुवचन)* किताब *(एकवचन)*—किताबें *(बहुवचन)*

लेकिन कई बार एकवचन और बहुवचन के शब्दों का रूप एक जैसा ही रहता है। केवल वाक्य से उनके वचन का पता चलता है; जैसे—

फूल खिल गया।

फूल खिल गए।

आम रखा है।

आम रखे हैं।

## कुछ विशेष बातें

- अपने से बड़ों के लिए या किसी को आदर देने के लिए सदा बहुवचन का प्रयोग किया जाता है—
  पिताजी आ गए हैं। प्रधानमंत्री भाषण दे रहे हैं।
- कुछ शब्द सदा बहुवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं—
  हस्ताक्षर, बाल, दर्शन, आँसू आदि।
- कुछ शब्द सदा एकवचन के रूप में प्रयोग किए जाते हैं—
  जनता, सोना, भीड़, पानी, बरसात आदि।
- वचन के अनुसार वाक्य भी बदल जाता है—
  मेज़ पर पुस्तक रखी है। *(एकवचन)* मेज़ पर पुस्तकें रखी हैं। *(बहुवचन)*

## कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) वचन कहते हैं—

(i) एक या अनेक का बोध कराने वाले शब्द को

(ii) विशेषता बताने वाले शब्दों को

(iii) वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्दों को

(ख) वचन के भेद होते हैं—

(i) एक (ii) चार (iii) दो

(ग) सदा बहुवचन का प्रयोग होता है—

(i) किसी को बुलाने के लिए (ii) आदर के लिए (iii) सूक्ष्म रूप के लिए

(घ) 'तितली' शब्द का बहुवचन रूप होता है—

(i) तितलिएँ (ii) तितलें (iii) तितलियाँ

2. चित्रों के नीचे उनकी संख्या के अनुसार एकवचन अथवा बहुवचन लिखिए—

.....

.....

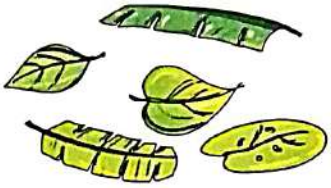

.....

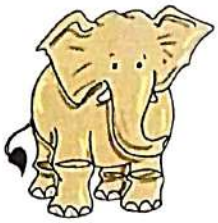

.....

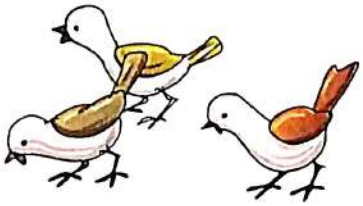

.....

.....

3. सही वाक्य पर सही (✓) तथा गलत वाक्य पर गलत (✗) का चिह्न लगाइए—

(क) वचन संज्ञा शब्दों की संख्या बताते हैं।

(ख) वचन तीन प्रकार के होते हैं।

(ग) एक से अधिक संख्या बताने वाले शब्दों को बहुवचन कहते हैं।

(घ) 'पानी' शब्द का वचन बदलता है।

4. वचन बदलकर लिखिए—

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (क) | दवाई | ..... | (ख) | बालिका | ..... |
| (ग) | ..... | महिलाएँ | (घ) | ..... | लड़के |
| (ङ) | ..... | आँसू | (च) | चूहा | ..... |
| (छ) | पतंग | ..... | (ज) | बहू | ..... |

5. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

(क) निक्की ने रोटी खा ली है। .....

(ख) खेत में अनेक मोर नाच रहे हैं। .....

(ग) अलमारी में साड़ी रखी हुई है। .....

(घ) लड़की अपनी गुड़िया को सजा रही है। .....

(ङ) बच्चे सो रहे हैं। .....

6. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखिए—

(क) एक ..... *लड़की* ..... साइकिल चला रही है। *(लड़कियाँ, लड़की)*

(ख) ..... घास चर रही है। *(बकरियाँ, बकरी)*

(ग) नीले आसमान में ..... उड़ रही हैं। *(चिड़ियाँ, चिड़िया)*

(घ) सभी ..... नाटक की तैयारी कर रही हैं। *(छात्रा, छात्राएँ)*

(ङ) दो ..... घूम रहे हैं। *(लड़का, लड़के)*

7. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वचन किसे कहते हैं ?

(ख) वचन कितने प्रकार के होते हैं ?

(ग) जब हम किसी के प्रति आदर प्रकट करते हैं तो उसे किस वचन में प्रयोग करते हैं ?

(घ) ऐसे पाँच शब्द लिखिए जो प्राय: बहुवचन में प्रयोग होते हैं।

8. कक्षा को दो या अधिक दलों में बाँट लीजिए। एक दल कोई शब्द कहेगा और दूसरा दल तुरंत उसका बहुवचन बताएगा। सही उत्तर पर पूरे अंक। गलत या देर से बताने पर कोई अंक नहीं मिलेगा। दूसरा दल इसी प्रकार शब्द बोलेगा और पहला दल बहुवचन शब्द बताएगा।

7

# सर्वनाम
## Pronoun

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, वे शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम का अर्थ है—सबका नाम। इसलिए ये सब नामों की जगह आ सकते हैं। इनके प्रयोग से भाषा सरल और सुंदर बनती है।

मीना — निक्की, ईशान कहाँ है?
निक्की — वह खेल रहा है।
मीना — तुम क्या कर रही हो?
निक्की — मैं खेलने जा रही हूँ।
मीना — तुम किसके साथ खेल रही हो?
निक्की — मैं मनन और अंजलि के साथ खेल रही हूँ।

यहाँ कुछ 'नाम शब्द' आए हैं और कुछ उनकी जगह पर आए हैं; जैसे—वह, तुम, मैं, किसके। यदि इनकी जगह नाम ही लिख देते तो भाषा इतनी सुंदर न होती।

### सर्वनाम के भेद (Kinds of Pronoun)

सर्वनाम के निम्नलिखित छः भेद होते हैं—

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निश्चयवाचक सर्वनाम
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. सम्बन्धवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. निजवाचक सर्वनाम

### 1. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun)

जो सर्वनाम बात कहने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति या प्राणी के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—मैं, हम, तू, आप, वह, वे आदि।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद हैं—

**(i) उत्तम पुरुष (First Person)**—बात को कहने वाला अपने लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है, उन्हें उत्तम पुरुष कहते हैं; जैसे—मैं, हम।

**(ii) मध्यम पुरुष (Second Person)**—जिन सर्वनामों का प्रयोग बात को सुनने वाले के लिए किया जाता है, उन्हें मध्यम पुरुष कहते हैं; जैसे—तुम, तू, आप।

**(iii) अन्य पुरुष (Third Person)**—जिसके बारे में बात की जाती है, उसके लिए जो सर्वनाम प्रयोग होते हैं, उन्हें अन्य पुरुष कहते हैं; जैसे—वह, वे, उसने।

## 2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative Pronoun)

जो सर्वनाम पास या दूर की वस्तु या व्यक्ति की ओर निश्चित संकेत करते हैं, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

- यह मेरा घोड़ा है।
- वह गुलाब है।
- ये मेरे सहपाठी हैं।
- वे हमारे स्कूल के प्रधानाचार्य हैं।

'यह' तथा 'ये' पास की वस्तुओं और व्यक्तियों की ओर संकेत करते हैं। 'वह' तथा 'वे' दूर की वस्तुओं और व्यक्तियों की ओर निश्चित संकेत करते हैं।

## 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun)

जिन सर्वनामों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

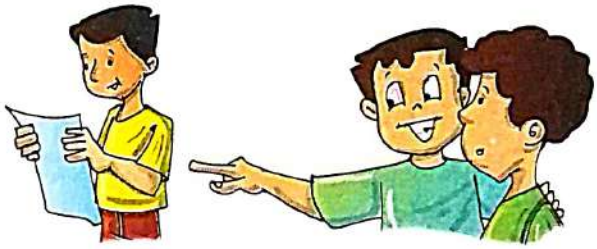

- मोहित कुछ पढ़ रहा है।
- अभी-अभी कोई आया है।
- अब आप किसी को बुला लीजिए।

## 4. सम्बन्धवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)

जो सर्वनाम दो बातों में सम्बन्ध जोड़ते हैं, उन्हें सम्बन्धवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

- जो करेगा सो भरेगा।
- जैसा देश वैसा भेष।
- यह बात उससे पूछो जिसने मुझे बुलाया है।

## 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)

जिन सर्वनामों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

- इस बोरी में क्या है?
- उस कमरे में कौन है?
- तुम्हें यहाँ किसने बुलाया है?

## 6. निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)

जिन सर्वनामों का प्रयोग कर्ता अपने लिए निज के अर्थ में करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे—

- मैं यह काम स्वयं कर लूँगी।
- शोभित आप आ जाएगा।
- तुम यह सब खुद करो।

### कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) सर्वनाम कहते हैं—

(i) संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों को

(ii) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को

(iii) वस्तुओं के नाम को

(ख) सर्वनाम के भेद हैं—

(i) चार (ii) तीन (iii) छः

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के उपभेद हैं—

(i) एक (ii) दो (iii) तीन

(घ) स्वयं या अपने लिए प्रयोग होने वाले शब्दों को कहते हैं—

(i) प्रश्नवाचक सर्वनाम (ii) निश्चयवाचक सर्वनाम (iii) निजवाचक सर्वनाम

2. फूलों में लिखे वर्णों की मदद से सर्वनाम शब्द बनाकर नीचे दिए गए स्थानों पर लिखिए—

(क) ..... (ख) .....

(ग) ..... (घ) .....

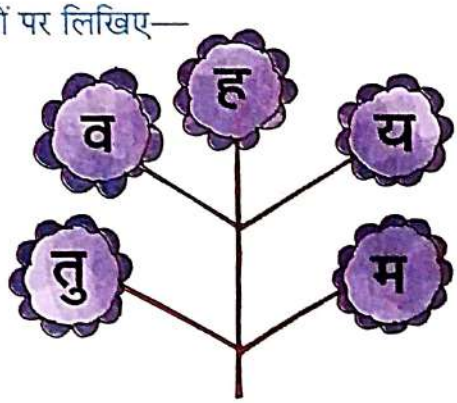


3. सर्वनाम शब्दों के नीचे रेखा खींचिए—

(क) सोहन तुम कहाँ जा रहे हो?

(ख) नीरा ने कहा, "मैंने अपना काम पूरा कर लिया है।"

(ग) बाहर कोई खड़ा हुआ है।

(घ) अरे, देखो कौन आया है?

4. सूरज में दिए सर्वनाम शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए—

(क) दरवाज़े पर ..... खड़ा है?

(ख) ..... सब कल आए थे।

(ग) जिसकी लाठी ..... भैंस।

(घ) ..... घर पास ही तो है।

(ङ) दाल में ..... गिर गया है।

(च) नेहा ..... काम स्वयं करती है।

5. जिस वाक्य में सर्वनाम शब्द गलत है उसके सामने गलत (✗) का तथा जिस वाक्य में सही है उसके सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) वह आज सिनेमा देखने जाऊँगी. ☐

(ख) मेरा पुत्र आ रहा है। ☐

(ग) अब तू लौटकर तो नहीं आओगे। ☐

(घ) हम सब खेलने चलें। ☐

(ङ) वह शाम तक लौटेगा। ☐

6. कोष्ठकों में से उचित सर्वनाम चुनकर खाली जगह में लिखिए—

(क) ..... चित्रकारी का शौक है। *(मुझे, मैं, मैंने)*

(ख) ..... सब साथ चलेंगे। *(तुम, हम, मैं)*

(ग) ..... मेरा छोटा भाई है। *(ये, तुम, यह)*

(घ) ..... तुम्हारा भाई हूँ। *(तुम, मैं, यह)*

(ङ) ..... देखते ही चोर भाग गया। *(वे, उसे, उसका)*

7. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) सर्वनाम किसे कहते हैं?

(ख) सर्वनाम के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के कौन-से उपभेद होते हैं?

(घ) निश्चयवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं?

8. सही सर्वनाम शब्द भरिए और कहानी को आगे बढ़ाइए—

दो कौए थे। ..... बहुत प्यासे थे। ..... इधर-उधर देखा। मगर ..... पानी नज़र नहीं आया। पहले कौए ने कहा, "..... तो पानी की तलाश में जा रहा हूँ। क्या ..... चलोगे?" दूसरे ने कहा, "हाँ, ..... पानी की तलाश में जाना चाहिए।

# 8 विशेषण
## Adjective

जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

चित्र देखिए और उनके नीचे लिखे वाक्य पढ़िए—

मेरे पास लाल रूमाल है।

फूल पर दो तितलियाँ बैठी हैं।

इस मकान में कौन रहता है?

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों पर ध्यान दीजिए—

- रूमाल कैसा है? — लाल
- तितलियाँ कितनी हैं? — दो
- मकान कौन-सा है? — इस (यह)

रूमाल, तितलियाँ, मकान शब्द संज्ञाएँ हैं। लाल, दो व इस शब्द इन संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं। इन शब्दों को विशेषण कहा जाता है।

विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

ऊपर आए हुए शब्द—रूमाल, तितलियाँ और मकान विशेष्य हैं।

### विशेषण के भेद (Kinds of Adjective)

विशेषण के चार भेद होते हैं—1. गुणवाचक, 2. संख्यावाचक, 3. परिमाणवाचक और 4. संकेतवाचक।

### 1. गुणवाचक विशेषण (Adjective of Quality)

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के गुण, दोष, रंग, आकार, दशा आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—

सुंदर फूल

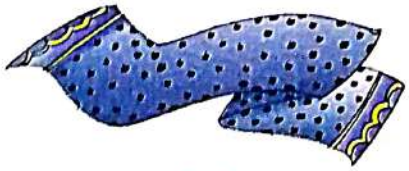

नीली साड़ी

ऊँची मीनार

## 2. संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number)

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की संख्या बताते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—

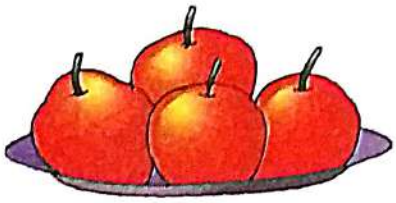

चार सेब

तीसरी कक्षा

बहुत-से बच्चे

## 3. परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity)

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का परिमाण (माप-तौल) बताते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—

मुझे थोड़ा दूध दो।

दस मीटर कपड़ा लेकर आओ।

ज़्यादा चाय मत पियो।

## 4. संकेतवाचक विशेषण (Demonstrative Adjective)

जो सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा की ओर संकेत करते हैं, उन्हें संकेतवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे—

यह लड़की रस्सी कूद रही है।

वे लोग रोज़ सुबह घूमने जाते हैं।

## कुछ करके सीखें

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—**

(क) विशेषण कहते हैं—

(i) जो केवल मानव की विशेषता बताते हैं। ◯

(ii) जो केवल पशु-पक्षियों की संख्या बताते हैं। ◯

(iii) जो शब्द संज्ञा-सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। ◯

(ख) विशेषण के कितने भेद होते हैं?

(i) चार ◯ (ii) सात ◯ (iii) तीन ◯

(ग) 'मेरे पास लाल रूमाल है।' —इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण का प्रकार है—

(i) परिमाणवाचक ◯ (ii) गुणवाचक ◯ (iii) संख्यावाचक ◯

(घ) 'वह लड़का कहाँ चला गया?' —इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण का प्रकार है—

(i) संकेतवाचक ◯ (ii) संख्यावाचक ◯ (iii) गुणवाचक ◯

2. **विशेषण शब्द पर घेरा (◯) लगाइए—**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | फूल | तितली | सुंदर | नदी |
| (ख) | बच्चा | छोटा | लड़का | पेड़ |
| (ग) | मीठी | चीनी | शर्बत | चाय |
| (घ) | घर | कमरा | बगीचा | बड़ा |

3. **दिए गए संज्ञा शब्दों के लिए सही विशेषण पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (क) | कौआ | — | रंग-बिरंगा ☐ | | पुराना ☐ | | काला ☐ |
| (ख) | पहाड़ | — | मीठा ☐ | | ऊँचा ☐ | | शरारती ☐ |
| (ग) | फूल | — | रंग-बिरंगे ☐ | | मूर्ख ☐ | | गंदा ☐ |
| (घ) | आसमान | — | वफ़ादार ☐ | | नीला ☐ | | खट्टा ☐ |
| (ङ) | कुत्ता | — | ताज़ा ☐ | | चौकोर ☐ | | वफ़ादार ☐ |
| (च) | अंगुलियाँ | — | पाँच ☐ | | दो किलो ☐ | | तीन मीटर ☐ |

4. **निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्द पर गोल घेरा बनाइए और उनके भेदों के नाम लिखिए—**

(क) उसके पास लाल पेंसिल है। .....

(ख) मैदान में बहुत-से बच्चे खेल रहे हैं। .....

(ग) यह घर किसका है? .....

(घ) निकिता सात वर्ष की है। .....

5. वाक्य के सामने दिए गए विशेषण के सही रूप से खाली स्थान भरिए—

(क) किले की दीवार ..... थी। (ऊँचा/ऊँची/ऊँचे)

(ख) खीर ..... है। (मीठी/मीठा/मीठे)

(ग) जामुन ..... हैं। (काला/काली/काले)

(घ) संदीप ने ..... कमीज़ पहनी। (नया/नई/नए)

(ङ) शुभ की अंगुलियाँ ..... हैं। (पतली/पतला/पतले)

6. बताइए, ये कैसे हैं? चित्र देखकर सही विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए—

*खट्टा* *रंग-बिरंगी* *बूढ़ा* *सुंदर* *हरा* *ऊँचा*

फूल ..... हैं।

पतंग ..... है।

आदमी ..... है।

तोता ..... रंग का है।

नींबू ..... है।

पहाड़ ..... है।

7. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) विशेषण किसे कहते हैं?

(ख) विशेष्य क्या होता है? उदाहरण सहित बताइए।

(ग) विशेषण के कौन-कौन से भेद होते हैं?

(घ) गुणवाचक विशेषण की परिभाषा लिखिए।

(ङ) संख्यावाचक और परिमाणवाचक विशेषण में क्या अन्तर है?

(च) संकेतवाचक विशेषण किसे कहते हैं? इसके दो वाक्य भी लिखिए।

8. दस वस्तुओं के चित्रों को अलग-अलग कार्ड्स पर चिपका लीजिए; जैसे—मछली, फल, बर्गर, किताब, कोई अभिनेता, पेंसिल आदि। दो समूहों में बँट जाइए। बारी-बारी से समूह का एक-एक सदस्य आए और एक चित्र-कार्ड के लिए अधिक-से-अधिक विशेषण बताए। ज़्यादा विशेषण बताने वाला समूह विजयी होगा।

# 9 क्रिया
## Verb

जो शब्द किसी काम के करने या होने के बारे में बताएँ, उन्हें क्रिया कहते हैं।

नीचे दिए गए चित्र में देखकर बताइए कि क्या-क्या हो रहा है—

पापा जी अखबार पढ़ रहे हैं और मम्मी जी सब्ज़ी काट रही हैं। ईशान कार्टून फिल्म देख रहा है और उसकी बहन अनिष्का गृह-कार्य कर रही है। यहाँ रंगीन शब्द किसी काम का करना या होना बता रहे हैं। इन्हें क्रिया कहते हैं।

अब इन्हें भी देखिए—

सोना खेलना खाना दौड़ना नहाना नाचना

ये भी क्रियाएँ हैं, जिनमें अलग-अलग तरह का काम हो रहा है।

### धातु (Root)

क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। धातु से ही क्रिया के विभिन्न रूप बनाए जाते हैं; जैसे—

| धातु | क्रिया के विभिन्न रूप |
|---|---|
| आ | आएगा, आएँगे, आया, आऊँ, आता आदि। |
| धो | धोया, धोए, धोएगा, धोएँगे, धोता आदि। |
| पढ़ | पढ़ेगा, पढ़ा, पढ़ी, पढ़ेंगे, पढ़ूँगा आदि। |
| जा | जाएगा, जाएँगे, जाता है, जा रहा है आदि। |
| खा | खाता हूँ, खाऊँगा, खाएँगे, खाते हैं आदि। |

## कर्ता और कर्म (Subject and Predicate)

कार्य करने वाले को कर्ता तथा उसके द्वारा किए जाने वाले कार्य को कर्म कहते हैं।

मैदान में खिलाड़ी क्रिकेट खेल रहे हैं।

उपर्युक्त वाक्य में— कर्ता — खिलाड़ी
कर्म — क्रिकेट
क्रिया — खेल रहे हैं।

## क्रिया के भेद (Kinds of Verb)

क्रिया के दो भेद होते हैं—1. सकर्मक क्रिया तथा 2. अकर्मक क्रिया।

### 1. सकर्मक क्रिया (Transitive Verb)

जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे—

- राहुल ने पानी पिया।
- महिमा पत्र लिखती है।
- दुकानदार फल बेचेगा।

—इन वाक्यों में 'पानी', 'पत्र' और 'फल' कर्म हैं, इसलिए इन वाक्यों की क्रियाएँ सकर्मक हैं।

## 2. अकर्मक क्रिया (Intransitive Verb)

जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं होता, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे—

डाली पर फूल खिला।

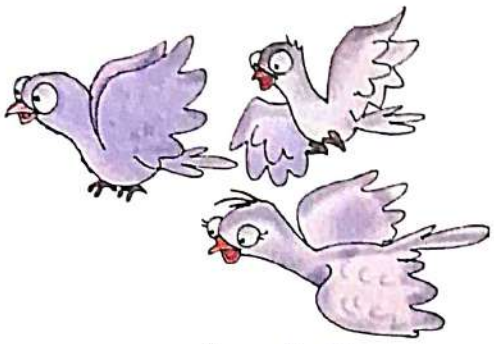

पक्षी उड़ते हैं।

बच्चा रो रहा है।

—इन वाक्यों में कर्म का प्रयोग नहीं हुआ है, इसलिए इनकी क्रियाएँ—खिला, उड़ते हैं, रो रहा है अकर्मक क्रियाएँ हैं।

### कर्म की पहचान

क्रिया के साथ क्या, किसे या किसको लगाने पर जो शब्द उत्तर में आता है, वही कर्म होता है; जैसे—

| | | |
|---|---|---|
| रेनू ने मिठाई खायी। | क्या खायी? | मिठाई (कर्म) |
| पिता जी ने मुझे बुलाया है। | किसे बुलाया? | मुझे (कर्म) |
| मम्मी ने रेखा को डाँटा। | किसको डाँटा? | रेखा को (कर्म) |

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) क्रिया कहते हैं—
- (i) जो शब्द काम के होने का समय बताएँ
- (ii) जिन शब्दों से काम के करने या होने का बोध हो
- (iii) जो शब्द माप-तौल का ज्ञान करवाएँ

(ख) कर्म के आधार पर क्रिया होती है—
- (i) दो प्रकार की
- (ii) चार प्रकार की
- (iii) तीन प्रकार की

(ग) जहाँ क्रिया के साथ कर्म होता है, वहाँ होती है—
- (i) सकर्मक क्रिया
- (ii) अकर्मक क्रिया
- (iii) संयुक्त क्रिया

(घ) क्रिया के मूल रूप को—
- (i) धातु कहते हैं
- (ii) कर्म कहते हैं
- (iii) कर्ता कहते हैं

2. क्रिया शब्दों पर घेरा (◯) लगाइए—

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | बारिश | नाचना | बगीचा | बाहर |
| (ख) | पानी | बस | झटपट | पकड़ना |
| (ग) | तेज़ | धीमा | हँसना | अंदर |

3. निम्नलिखित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

*दो कर्ता क्रिया धातु सकर्मक*

(क) क्रिया करने वाला ..... कहलाता है।

(ख) क्रिया के ..... भेद हैं।

(ग) क्रिया के भेद हैं—अकर्मक व ..... ।

(घ) क्रिया का मूल रूप ..... कहलाता है।

(ङ) धातु से ही ..... के विभिन्न रूप बनते हैं।

4. कौन क्या करता है?

| | | | |
|---|---|---|---|
| मोची | मछली पकड़ता है। | अध्यापिका | डाक बाँटता है। |
| खिलाड़ी | इलाज करता है। | डाकिया | पढ़ाती है। |
| डॉक्टर | जूते बनाता है। | धोबी | कपड़े सिलता है। |
| मछुआरा | खेलता है। | दर्ज़ी | कपड़े धोता है। |

5. निम्नलिखित धातुओं से क्रिया के तीन-तीन रूप बनाइए—

| | धातु | | क्रिया के रूप | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | तैर | *तैरना* | *तैरा* | *तैरेगा* |
| (ख) | कर | ..... | ..... | ..... |
| (ग) | उड़ | ..... | ..... | ..... |
| (घ) | सो | ..... | ..... | ..... |
| (ङ) | लिख | ..... | ..... | ..... |

6. क्रिया के सही रूप से वाक्य पूरे कीजिए—

(क) कक्षा में सारे बच्चे शांत ..... थे। *(बैठना)*

(ख) संगीता ने गीत ..... । *(गाना)*

(ग) अमित ने कहानी ..... । *(सुनाना)*

(घ) बच्चों ने पतंग ..... । *(उड़ना)*

(ङ) दादी हलवा ..... रही है। *(बनाना)*

आप विद्यालय और घर में क्या-क्या काम करते हैं? दिए गए स्थान में लिखिए—

| विद्यालय | घर |
|---|---|
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |

8. निम्नलिखित वाक्यों के सामने अकर्मक या सकर्मक क्रिया लिखिए—

(क) स्कूल बस चली गई। .....

(ख) दर्ज़ी कपड़े सिल रहा है। .....

(ग) बादल गरज रहे हैं। .....

(घ) सभी लोगों ने झंडा लहराया। .....

(ङ) विपिन सो रहा है। .....

(च) रोहित ने पतंग उड़ाई। .....

9. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) क्रिया की परिभाषा लिखिए।

(ख) धातु किसे कहते हैं?

(ग) क्रिया के कौन-कौन से भेद होते हैं?

(घ) सकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

(ङ) किस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं होता?

10. दस पर्चियाँ बनाइए जिन पर कुछ काम वाले शब्द (क्रिया) लिखे होंगे। दो समूहों में बँट जाइए। पहले समूह में से एक सदस्य आएगा और एक पर्ची उठाएगा तथा उस पर्ची पर लिखी क्रिया का अभिनय करेगा। दूसरे समूह को यह बताना है कि वह कौन-सी क्रिया है।

नीरज – रुको, मत जाओ।

सिमरन – रुको मत, जाओ।

यहाँ पहले वाक्य में कहा गया है कि रुक जाओ, जाना मत। दूसरे वाक्य में कहा गया है कि रुको नहीं, चले जाओ। दोनों वाक्यों के अर्थों में बहुत अन्तर है।

क्या आप समझ रहे हैं कि यह अन्तर क्यों है?

इन वाक्यों को बोलते समय अलग-अलग जगह रुकने से अर्थ में अन्तर आ गया।

विराम का अर्थ है—ठहरना या रुकना।

विराम-चिह्न वाक्य के अर्थ को समझने में हमारी मदद करते हैं। बोलते, पढ़ते या लिखते समय विचारों को स्पष्ट करने के लिए हम बीच-बीच में रुकते हैं, रुकने की इसी प्रक्रिया को बीच-बीच में किसी विशेष चिह्न के द्वारा दिखाया जाता है। इस प्रकार—

अर्थ को स्पष्ट करने के लिए हम वाक्य के बीच में या आखिर में रुकते हैं।
रुकने का संकेत देनेवाले चिह्न विराम-चिह्न कहलाते हैं।

कुछ प्रमुख विराम-चिह्न निम्नवत् हैं—

| | | |
|---|---|---|
| पूर्णविराम | (।) | वाक्य समाप्त करने पर लगाया जाता है।<br>जैसे—मोहन गाना गाता है। |
| अल्पविराम | (,) | बहुत कम समय के लिए रुकने पर लगाते हैं।<br>जैसे—दिति, कविता और नेहा पढ़ती हैं। |
| प्रश्नसूचक | (?) | प्रश्न पूछने पर लगाते हैं।<br>जैसे—तुम मेला देखने कब जाओगे? |
| विस्मयबोधक | (!) | खुशी, दु:ख, आश्चर्य आदि भावों को प्रकट करने के लिए लगाते हैं।<br>जैसे—शाबाश! तुम कक्षा में प्रथम आए। |

**हमने सीखा**

★ भाषा में विराम-चिह्नों का बहुत महत्त्व है।

★ वाक्य के बीच में या आखिर में रुकने के लिए लगाए चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

## कुछ करके सीखें

1. सही उत्तर पर सही ( ✓ ) का चिह्न लगाइए—

(क) विराम-चिह्नों का प्रयोग क्यों किया जाता है?

(i) भाव-अभिव्यक्ति में स्पष्टता लाने के लिए

(ii) सुन्दर लेखन के लिए

(iii) वाक्य की सजावट के लिए

(ख) वाक्य के बीच में बहुत कम समय रुकना हो तो किस विराम-चिह्न का प्रयोग होता है?

(i) अल्पविराम ( , )

(ii) पूर्णविराम ( । )

(iii) प्रश्नसूचक ( ? )

2. दिए गए विराम-चिह्नों के नाम लिखिए—

(क) ! .....

(ख) - .....

(ग) ? .....

(घ) । .....

(ङ) , .....

3. दिए गए वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए—

(क) आप कहाँ जा रहे हैं

(ख) बाजार से आलू प्याज टमाटर और बैंगन लाने हैं

(ग) वाह आप तो समय पर आ गए

(घ) सुख दुःख जीवन का हिस्सा हैं

4. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और विराम-चिह्न लगाकर दोबारा से लिखिए—

समय कभी रुकता नहीं है समय का पालन करनेवाला जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है क्या आप जानते हैं समय धन से भी अधिक मूल्यवान है

.....

.....

.....

.....

11

# अशुद्धि-शोधन
## Correction of Mistakes

हम अक्सर लिखते और बोलते समय कुछ गलतियाँ कर देते हैं। इन गलतियों के दो कारण हैं— अशुद्ध उच्चारण और अशुद्ध वर्तनी। कई बार हमें कुछ शब्द एक प्रकार से बोलने तथा लिखने की आदत हो जाती है और वही दिमाग में बैठ जाती है। हिन्दी भाषा में हम जैसा बोलते हैं वैसा ही लिखते हैं। वाक्य बोलते समय भी हम लिंग, वचन, कारक, क्रिया और सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटियाँ कर बैठते हैं।

नीचे दी गई दो बच्चों की बातचीत को ध्यान से पढ़िए—

दोनों बच्चे आपस में बातचीत करते समय शुद्ध भाषा नहीं बोल रहे हैं। तुम्हारे को, मेरे से, मेरे को और कीताब शब्द अशुद्ध हैं, जिनके कारण वाक्य भी ठीक नहीं लग रहे हैं। शुद्ध वाक्य इस प्रकार लिखे जाएँगे—

तुम्हें मुझसे क्या चाहिए? मुझे तुम्हारी किताब चाहिए।

इस प्रकार वाक्य की यह अशुद्धि शब्दों से शुरू होती है।

**वर्तनी की अशुद्धियाँ**—यहाँ कुछ प्रचलित शब्द दिए जा रहे हैं जिनमें प्राय: अशुद्धियाँ देखने को मिलती हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए तथा शुद्ध रूप में बोलिए और लिखिए—

| अशुद्ध शब्द | शुद्ध शब्द |
|---|---|
| आर्शीवाद | आशीर्वाद |
| कुटंब | कुटुंब |
| गुरू | गुरु |
| चिन्ह | चिह्न |
| त्यौहार | त्योहार |
| दिपावली | दीपावली |
| परिक्षा | परीक्षा |
| पड़ौसी | पड़ोसी |
| पुरुस्कार | पुरस्कार |
| सुई | सूई |
| श्रीमति | श्रीमती |

| अशुद्ध शब्द | शुद्ध शब्द |
|---|---|
| अतिथी | अतिथि |
| अविष्कार | आविष्कार |
| अवाज़ | आवाज़ |
| ग्रह-कार्य | गृह-कार्य |
| विधालय | विद्यालय |
| तिथी | तिथि |
| बिमारी | बीमारी |
| बागीचा | बगीचा |
| रूपया | रुपया |
| स्वास्थ | स्वास्थ्य |
| हिन्दु | हिन्दू |

**वाक्यों में अशुद्धियाँ**—वाक्यों में प्राय: शब्दों के उचित क्रम, वर्तनी, लिंग, कारक आदि से सम्बन्धित अशुद्धियाँ हो जाती हैं। इन्हें नियमित अभ्यास से ठीक किया जा सकता है। इसी प्रकार के कुछ वाक्य तथा उनके शुद्ध रूप नीचे दिए गए हैं। उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए—

| अशुद्ध वाक्य | शुद्ध वाक्य |
|---|---|
| 1. मेरे को आम खाना है। | 1. मुझे आम खाना है। |
| 2. खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ। | 2. खरगोश को गाजर काटकर खिलाओ। |
| 3. बच्चा छत पर से गिर गया। | 3. बच्चा छत से गिर गया। |
| 4. देखो, बकरी लड़ रही हैं। | 4. देखो, बकरियाँ लड़ रही हैं। |
| 5. वह विद्वान् महिला मालूम पड़ती है। | 5. वह विदुषी महिला मालूम पड़ती है। |
| 6. कल मेरी माता जी ने आना है। | 6. कल मेरी माता जी को आना है। |
| 7. सड़क में मत खेलो। | 7. सड़क पर मत खेलो। |
| 8. उसने भी बाज़ार जाना है। | 8. उसे भी बाज़ार जाना है। |
| 9. आसमान पर बादल छाए हुए हैं। | 9. आसमान में बादल छाए हुए हैं। |
| 10. मेरी चाय में कोई गिर गया है। | 10. मेरी चाय में कुछ गिर गया है। |

1. नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखिए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| स्वास्थ | ..... | त्यौहार | ..... |
| तीथि | ..... | रुमाल | ..... |
| ग्रह-कार्य | ..... | आर्शीवाद | ..... |
| दिपावली | ..... | गुरू | ..... |
| साईकिल | ..... | क्योंकी | ..... |

2. इन वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

(क) तुम्हारे को मेरे से क्या काम है?
.....

(ख) मेरे परीक्षा समाप्त हो गए हैं।
.....

(ग) पेड़ पर से पीले पत्ते झड़ रहे हैं।
.....

(घ) पिताजी को गर्म करके दूध दो।
.....

(ङ) देखो बाहर कुछ खड़ा है।
.....

12

# विलोम शब्द

## Antonyms

एक-दूसरे से उलटा अर्थ देने वाले शब्द विपरीतार्थक या विलोम शब्द कहलाते हैं।

ठंडा


गर्म

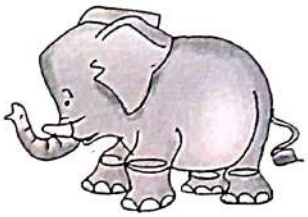

बड़ा

छोटा

मोटा


पतला

ऊपर    नीचे

ठंडा और गर्म एक-दूसरे के उलटे अर्थ वाले शब्द हैं। इन्हें विलोम शब्द कहते हैं। इसी प्रकार अन्य विलोम शब्द हैं—बड़ा और छोटा, मोटा और पतला, ऊपर और नीचे, सर्दी और गर्मी।

आइए, कुछ और विलोम शब्द जानें—

अंदर    बाहर

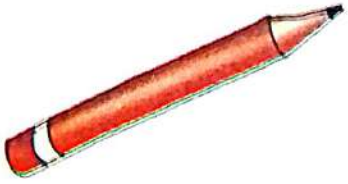


लंबी

छोटी

हँसना

रोना

खुला

बंद

इन्हें भी जानिए—

| शब्द | विलोम शब्द |
|---|---|
| सुबह | शाम |
| झूठ | सच |
| आगे | पीछे |
| कच्चा | पक्का |
| खुशबू | बदबू |
| हार | जीत |
| अँधेरा | उजाला |
| ऊँचा | नीचा |

| शब्द | विलोम शब्द |
|---|---|
| गीला | सूखा |
| प्रश्न | उत्तर |
| दूर | पास |
| सुख | दु:ख |
| आना | जाना |
| भारी | हलका |
| नया | पुराना |
| अच्छा | बुरा |

## कुछ करके सीखें

1. ड्रम में से शब्द और उसके विलोम शब्द छाँटकर लिखिए—

| शब्द | विलोम शब्द |
|---|---|
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |
| ..... | ..... |

2. सही विलोम शब्द पर घेरा (◯) लगाइए—

(क) छोटा — ऊँचा / मोटा / बड़ा

(ख) धरती — चाँद / आसमान / सूरज

(ग) सुबह — रात / अँधेरा / शाम

(घ) ऊपर — सीढ़ी / चढ़ / नीचे

(ङ) ठंडा — शीतल / गर्म / शर्बत

3. निम्नलिखित शब्दों में से सही विलोम शब्द छाँटकर लिखिए—

अनेक    बाहर    पुराना    रात

(क) अंदर ..............................

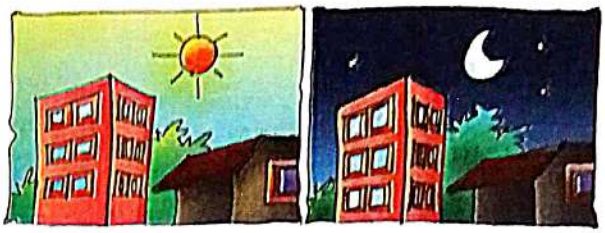





(ख) एक ..............................

(ग) दिन ..............................

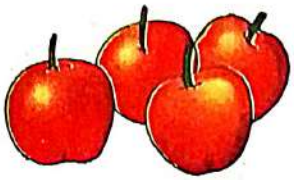

(घ) नया ..............................

4. निम्नलिखित शब्दों को उचित विलोम शब्दों से मिलाइए—

| | |
|---|---|
| सुबह | बदबू |
| जीत | आना |
| खुशबू | पीछे |
| हलका | शाम |
| आगे | भारी |
| जाना | हार |

5. रंगीन शब्दों के उलटे अर्थ देने वाले शब्दों से खाली स्थान भरिए—

(क) रोहित देर से पाठशाला पहुँचा, क्योंकि वह सुबह .............................. नहीं जागा।

(ख) टोकरी में रखे आम पके हुए हैं, लेकिन अमरूद .............................. हैं।

(ग) जो प्रश्न दिए हैं, उनके .............................. लिखिए।

(घ) पिताजी ने पुरानी कार बेच दी और .............................. खरीद ली।

(ङ) सूरज पूरब से निकलता है और .............................. में छिपता है।

13

# पर्यायवाची शब्द
## Synonyms

एकसमान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं।

हम एक बात को कहने के लिए दो अलग-अलग शब्दों का प्रयोग करते हैं। सूरज कहो या सूर्य—दोनों का अर्थ एक है। इसी तरह उजाला और रोशनी शब्दों का अर्थ भी एक ही है।

कुछ पर्यायवाची शब्द इस तरह हैं—

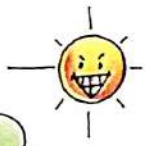
सूर्य, सूरज, रवि

पेड़, वृक्ष, तरु

फूल, पुष्प, सुमन

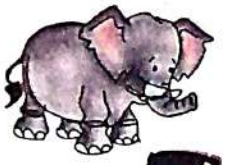
हाथी, गज, हस्ती

औरत, महिला, स्त्री

आँख, नेत्र, नयन

चाँद, चंद्रमा, शशि

रात, रात्रि, निशा

बारिश, वर्षा, बरसात

विद्यालय, पाठशाला, स्कूल

इन्हें भी जानिए—

| शब्द | पर्यायवाची शब्द | |
|---|---|---|
| सुबह | सवेरा | प्रात: |
| पुत्र | बेटा | सुत |
| शेर | सिंह | केसरी |
| राजा | नरेश | भूपति |
| आकाश | आसमान | गगन |
| पानी | जल | नीर |
| पृथ्वी | धरती | धरा |
| प्रभु | ईश्वर | भगवान |
| दिन | दिवस | वार |
| आग | अग्नि | ज्वाला |
| पक्षी | खग | पंछी |
| घोड़ा | अश्व | तुरंग |
| गुरु | शिक्षक | अध्यापक |

| शब्द | पर्यायवाची शब्द | |
|---|---|---|
| हवा | पवन | वायु |
| पहाड़ | पर्वत | शैल |
| बादल | मेघ | घन |
| बगीचा | वाटिका | उपवन |
| जंगल | वन | कानन |
| माता | माँ | मैया |
| संसार | विश्व | जगत् |
| कमल | पंकज | जलज |
| घर | भवन | गृह |
| गाय | गऊ | धेनु |
| कपड़ा | वस्त्र | परिधान |
| समुद्र | सागर | सिंधु |
| मनुष्य | नर | मानव |

1. दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द पोटली में से छाँटकर लिखिए—

| | | |
|---|---|---|
| पत्र | खत | चिट्ठी |
| धरती | ..... | ..... |
| बादल | ..... | ..... |
| वर्षा | ..... | ..... |
| संसार | ..... | ..... |

2. एक लिखें हम, दो लिखें आप—

| | | |
|---|---|---|
| शशि | | चाँद<br>चंद्रमा |
| रवि | | ..... |
| उपवन | | ..... |
| आँख | | ..... |

3. समूह से अलग शब्द पर घेरा (◯) लगाइए—

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | पेड़ | पुष्प | वृक्ष | तरु |
| (ख) | कुसुम | फूल | टहनी | सुमन |
| (ग) | वायु | विद्या | हवा | पवन |

4. चित्र देखकर दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

..... ..... ..... ..... .....

..... ..... ..... ..... .....

5. निम्नलिखित शब्दों को उचित पर्यायवाची शब्दों से रेखा खींचकर मिलाइए—

| | |
|---|---|
| वस्त्र | ईश्वर |
| अध्यापक | खग |
| प्रभु | चीर |
| ज्वाला | जल |
| घोड़ा | अग्नि |
| पंछी | शिक्षक |
| नीर | तुरंग |

14

# अनेकार्थक शब्द
## Words With Different Meanings

कुछ शब्द ऐसे भी होते हैं जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। ऐसे शब्दों को अनेकार्थक शब्द कहते हैं।

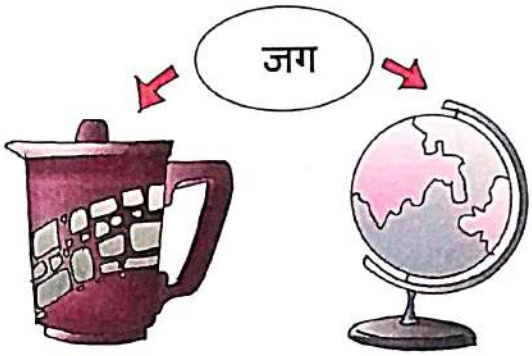


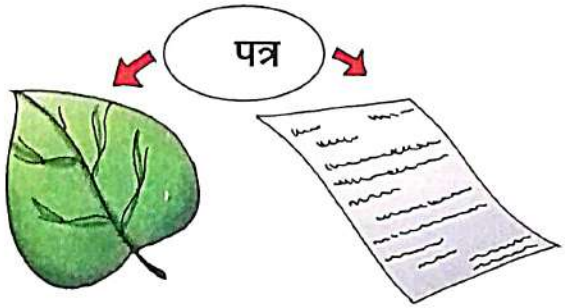


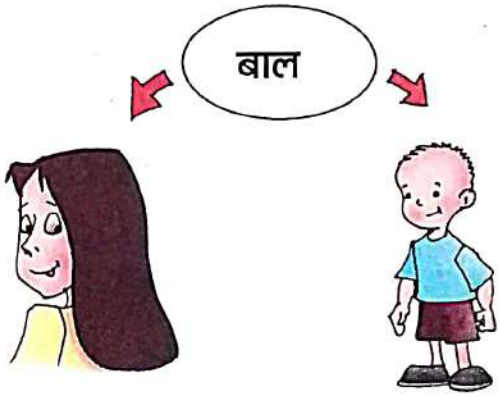


कुछ अनेकार्थक शब्द इस प्रकार हैं—

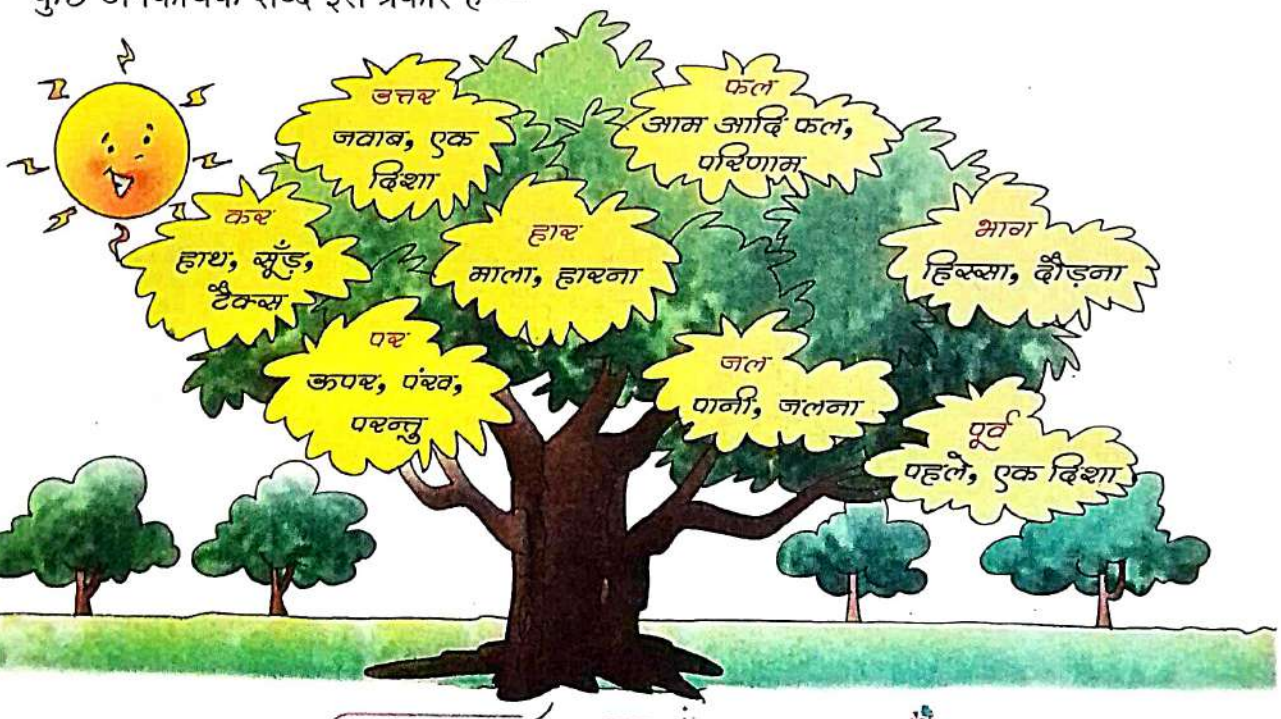

## कुछ करके सीखें

1. रंगीन शब्दों का उनके दूसरे अर्थों से मिलान कीजिए—

| | | |
|---|---|---|
| कर | हाथ | संसार |
| पर | पंख | जलना |
| जग | बरतन | परिणाम |
| जल | पानी | ऊपर |
| फल | केला | टैक्स |

2. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे करिए तथा सामने उसका अर्थ लिखिए—

| भाग | मगर | फल | बाल | खाना |
|---|---|---|---|---|

(क) समय से ......खाना...... खाना अच्छा होता है। ......भोजन......

(ख) अच्छे काम का .................... अच्छा होता है। ....................

(ग) मेरी बहन के .................... घुँघराले हैं। ....................

(घ) विभा ने चित्रकला-प्रतियोगिता में .................... लिया। ....................

(ङ) अंशु साइकिल से गिर गया .................... उसे चोट नहीं लगी। ....................

3. अर्थ समझकर वाक्य बनाइए—

पत्र — पत्ता ......पेड़ से पत्ता गिरा।......

पत्र — चिट्ठी ....................

पर — पंख ....................

पर — ऊपर ....................

जग — संसार ....................

जग — एक बरतन ....................

15

# अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
## One Word Substitution

हम दूसरों से अपनी बात को कहने के लिए अनेक शब्दों का प्रयोग करते हैं। कई शब्दों की जगह हम एक शब्द का भी प्रयोग कर सकते हैं। इस एक शब्द से भी बात स्पष्ट हो जाती है।

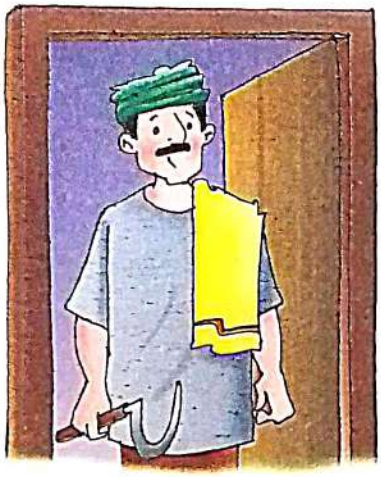

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग भाषा को सरल, सुंदर और प्रभावशाली बनाता है।

आइए, ऐसे ही कुछ शब्दों के बारे में जानें—

1. जो चित्र बनाता है — चित्रकार
2. जो डरता नहीं है — निडर
3. जो काम से जी चुराता है — कामचोर
4. जो सेना में है — सैनिक
5. जो कपड़े धोता है — धोबी
6. जिसके माता-पिता न हों — अनाथ
7. जो डरता हो — डरपोक
8. जिसमें कम बल हो — दुर्बल
9. जो पढ़ा-लिखा न हो — अनपढ़
10. जो मिट्टी के बर्तन बनाता हो — कुम्हार
11. जो कपड़े सिलता हो — दर्ज़ी
12. जो दूसरों की भलाई करता हो — परोपकारी
13. जो वस्तु विदेश की हो — विदेशी

14. जो आज्ञा मानता हो — आज्ञाकारी
15. जहाँ छात्र पढ़ते हैं — विद्यालय
16. जिसके हृदय में दया न हो — निर्दय
17. जो साग-सब्ज़ी खाता हो — शाकाहारी
18. ईश्वर में विश्वास रखने वाला — आस्तिक
19. जो ईश्वर को न मानता हो — नास्तिक
20. सप्ताह में एक बार होने वाला — साप्ताहिक
21. जो दूसरों के उपकार का एहसान मानता हो — कृतज्ञ
22. जो पक्षियों का घर हो — घोंसला
23. जहाँ चार रास्ते मिलते हों — चौराहा
24. जो बहुत बोलता हो — वाचाल
25. जो देखने योग्य हो — दर्शनीय

## कुछ करके सीखें

1. कॉलम 'अ' तथा 'ब' को मिलाइए—

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| जो चित्र बनाए | चित्रकार |
| साथ में पढ़ने वाला | सहपाठी |
| मास में एक बार होने वाला | मासिक |
| मांस खाने वाला | मांसाहारी |
| जल में रहने वाला | जलचर |
| कभी न मरने वाला | अमर |

2. सामने दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर खाली स्थानों में लिखिए—

(क) बड़ी बहन को ..... कहते हैं। *(दादी/दीदी)*

(ख) जहाँ पशु-पक्षियों को रखा जाता है, उसे ..... कहते हैं। *(चिड़ियाघर/पाठशाला)*

(ग) शेर दूसरे पशुओं का शिकार करता है, क्योंकि वह ..... है। *(मांसाहारी/शाकाहारी)*

(घ) जो अपने ही देश का रहने वाला हो, उसे ..... कहा जाता है। *(विदेशी/स्वदेशी)*

(ङ) रोहन ज़रा भी नहीं डरता, इसलिए सब उसे ..... कहते हैं। *(डरपोक/निडर)*

3. दिऐ गए शब्दों के सामने उनका अर्थ प्रकट करने वाले अनेक शब्द या वाक्य लिखिए—

(क) अनाथ : .....

(ख) वाचाल : .....

(ग) कुम्हार : .....

(घ) वार्षिक : .....

(ङ) नास्तिक : .....

4. अनेक शब्दों के लिए दिए गए एक शब्द पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) पक्षियों का घर

(i) गुफा ☐ (ii) बिल ☐ (iii) घोंसला ☐

(ख) घोड़े पर सवारी करने वाला

(i) गड़रिया ☐ (ii) घुड़सवार ☐ (iii) चित्रकार ☐

(ग) जिसे भूख लगी है

(i) शाकाहारी ☐ (ii) लालची ☐ (iii) भूखा ☐

(घ) जहाँ छात्र पढ़ते हैं

(i) अस्तबल ☐ (ii) पाठशाला ☐ (iii) अस्पताल ☐

5. चित्र देखकर बताइए कि आप इन्हें क्या कहेंगे?

.....

.....

.....

.....

16

# मुहावरे
## Idioms

विशेष अर्थ प्रकट करने वाले कथन को मुहावरा कहते हैं। ये वाक्य के अंश होते हैं। इनके प्रयोग से भाषा रोचक, सुंदर और प्रभावशाली बन जाती है। ये वाक्य पढ़िए—

सोचिए— ❊ क्या सिर खाने की चीज़ है?

❊ क्या कोई आसमान को सिर पर उठा सकता है?

तो क्या ऊपर की बातें गलत हैं? नहीं। यह कहने की एक विशेष शैली है। इसे मुहावरा कहते हैं। इसके भाव को समझना होता है, जो शब्दों के अर्थ से भिन्न होता है। उपर्युक्त कथनों में—

❊ सिर खाने का अर्थ 'बेकार की बातों से परेशान करना' है।

❊ आसमान सिर पर उठाने का अर्थ 'बहुत शोर करना' है।

आइए, आपको मुहावरों की दुनिया में ले चलते हैं। इन्हें पढ़िए, समझिए, याद कीजिए और अपनी भाषा में इनका वाक्य-प्रयोग कीजिए—

1. **अक्ल का दुश्मन**—मूर्ख।
   वाक्य-प्रयोग : अरे, रमन को समझाना व्यर्थ है। वह तो अक्ल का दुश्मन है।
2. **आँखों का तारा**—अत्यन्त प्रिय।
   वाक्य-प्रयोग : पुत्र सदा ही माता-पिता की आँखों का तारा होता है।
3. **अँगूठा दिखाना**—साफ़ इनकार करना।
   वाक्य-प्रयोग : रेशमा से पुस्तक माँगी तो उसने मुझे अँगूठा दिखा दिया।
4. **आग-बबूला होना**—बहुत क्रोध करना।
   वाक्य-प्रयोग : नया खिलौना खराब करने पर पिताजी ईशान पर आग-बबूला हो गए।

5. **उल्लू बनाना**—मूर्ख बनाना।
वाक्य-प्रयोग : रोहित बहुत चालाक है, उसे उल्लू बनाने की भूल मत करना।

6. **कमर कसना**—तैयार होना।
वाक्य-प्रयोग : डाकुओं को पकड़ने के लिए उसने कमर कस ली।

7. **कान भरना**—चुगली करना।
वाक्य-प्रयोग : कंचन मेरे खिलाफ़ माँ के कान भरती रहती है।

8. **गले लगना**—प्रेमपूर्वक मिलना।
वाक्य-प्रयोग : श्रीकृष्ण ने निर्धन सुदामा को गले लगाया था।

9. **दाँत खट्टे करना**—बुरी तरह हरा देना।
वाक्य-प्रयोग : भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध में शत्रु सेना के दाँत खट्टे कर दिए।

10. **नौ दो ग्यारह होना**—भाग जाना।
वाक्य-प्रयोग : चोर सिपाही को देखते ही नौ दो ग्यारह हो गया।

11. **फूला न समाना**—बहुत खुश होना।
वाक्य-प्रयोग : राकेश को परीक्षा में प्रथम स्थान मिलने पर पिता जी फूले नहीं समाए।

12. **मुँह में पानी भर आना**—ललचा जाना।
वाक्य-प्रयोग : लड्डुओं की थाली देखकर मेरे मुँह में पानी भर आया।

13. **हवा से बातें करना**—बहुत तेज़ दौड़ना।
वाक्य-प्रयोग : मेरा घोड़ा हवा से बातें करता है।

14. **हाथ बँटाना**—काम में सहायता करना।
वाक्य-प्रयोग : घर के काम में बच्चों को माँ का हाथ बँटाना चाहिए।

15. **हाथ मलना**—पछताना
वाक्य-प्रयोग : अभी समय है, पढ़ लो; नहीं तो बाद में हाथ मलते रह जाओगे।

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) डाकुओं को पकड़ने के लिए—
(i) उसने कमर कस ली। (ii) वह आग-बबूला हुआ।
(iii) वह पानी-पानी हो गया।

(ख) नमन अपने माता-पिता का—
(i) अक्ल का दुश्मन है। (ii) आँखों का तारा है।
(iii) हाथ बँटाता है।

(ग) रजत से पेंसिल माँगी तो—

(i) वह हाथ मलने लगा।

(ii) उसने मुझे अँगूठा दिखा दिया।

(iii) वह फूला न समाया।

2. मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाइए—

| | |
|---|---|
| (क) पीठ थपथपाना | पछताना |
| (ख) आसमान सिर पर उठाना | भाग जाना |
| (ग) मुँह में पानी भर आना | बहुत शोर करना |
| (घ) नौ दो ग्यारह होना | शाबाशी देना |
| (ङ) हाथ मलना | ललचा जाना |

3. गमले में कुछ मुहावरों के अर्थ दिए गए हैं। रिक्त स्थानों में उनके मुहावरे लिखिए—

*बुरी तरह हरा देना*
*बहुत क्रोध करना*
*मूर्ख बनाना*
*चुगली करना*

.....

.....

.....

.....

4. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए—

(क) फूला न समाना : .....

(ख) अक्ल का दुश्मन : .....

5. मुहावरों को चित्रों से मिलाइए—

(क) नौ दो ग्यारह होना

(ख) गले लगाना

(ग) आग-बबूला होना

17

# संवाद-लेखन
## Dialogue-Writing

जब दो या दो से अधिक व्यक्ति अपने विचारों को एक-दूसरे तक पहुँचाने के लिए बातचीत करते हैं, तो उसे वार्तालाप कहते हैं। अपनी बात सही शब्दों और वाक्यों में प्रभावशाली ढंग से कहना/लिखना भी एक कला है।

नीचे दिए वार्तालाप को पढ़िए और समझिए—

### मिंकू हाथी और चिंकू बन्दर की बातचीत

मिंकू — (बस्ता लिए हुए) अरे चिंकू! तुम कैसे हो, कहाँ जा रहे हो?

चिंकू — (केले हाथ में लिए) आओ, दोस्त मिंकू! मैं बहुत मज़े में हूँ। देखो, मैं ये केले उस पेड़ से तोड़कर लाया हूँ।

मिंकू — मित्र! केले तो मुझे भी बहुत अच्छे लगते हैं। क्या तुम मुझे दो केले दोगे?

चिंकू — हाँ दूँगा, पर एक शर्त पर, तुम मुझे अपनी पीठ पर बैठाकर सारे जंगल की सैर कराओगे।

मिंकू — हाँ, हाँ ज़रूर, पर शाम को। अब तो मैं पढ़ने जा रहा हूँ। देर हो गई तो मेरा काम रह जाएगा।

चिंकू — अच्छा तो तुम केले खा लो और मुझे भी अपने साथ स्कूल ले चलो। मैं भी पहले पढ़ने जाऊँगा फिर जंगल की सैर करूँगा।

मिंकू — ठीक है, चलो मेरे साथ।

## कुछ करके सीखें

1. माधुरी बीमार थी। वह दो दिन से स्कूल नहीं जा रही थी। माधुरी स्कूल क्यों नहीं आ रही? यह जानने के लिए उसकी सहेली निशा ने उसे फ़ोन किया। फ़ोन पर दोनों के बीच क्या बातचीत हुई होगी?

इस बातचीत को बोलिए और आगे की बातचीत लिखिए—

निशा — हैलो!

माधुरी — हैलो!

निशा — मैं निशा बोल रही हूँ।

माधुरी — अरे निशा तुम! तुमने इतने दिन बाद फ़ोन किया।

निशा — हाँ, तुम तीन दिन से स्कूल क्यों नहीं आईं?

माधुरी — मुझे बुखार हो गया था।

निशा — अब कैसी हो?

माधुरी — .....

निशा — .....

माधुरी — .....

निशा — .....

2. नीचे एक पुस्तक मेले का चित्र दिया गया है। इस मेले में महक और अमन पुस्तकें लेने गए हैं। उनकी बातचीत को बच्चे अपनी कल्पना से लिखें।

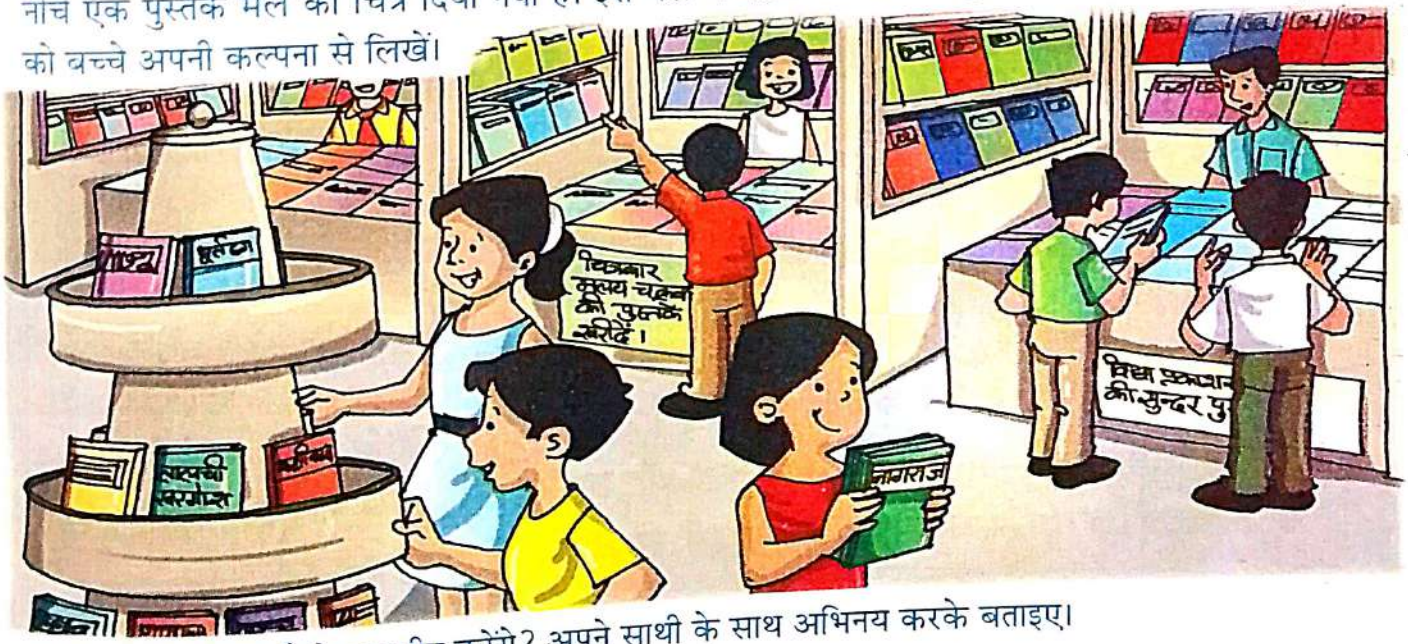


इन स्थितियों में आप कैसे बातचीत करेंगे? अपने साथी के साथ अभिनय करके बताइए।

3. अपने दोस्तों को खेलने के लिए इकट्ठा करना।

4. आपकी कॉलोनी में गुब्बारे वाला आया। आप उससे लाल, बड़ा गुब्बारा लेना चाहते हैं।

18

# पत्र-लेखन
# Letter-Writing

पत्र संदेश भेजने का सशक्त साधन माना जाता है। पत्र लिखित भाषा का एक रूप है, जिसके माध्यम से हम दूर बैठे अपने परिचितों, मित्रों तथा सम्बन्धियों और कार्यालयों में अपनी बात पहुँचा सकते हैं। आज संचार माध्यम अत्यधिक हो गए हैं, परंतु पत्र-लेखन का आज भी विशेष महत्त्व है।

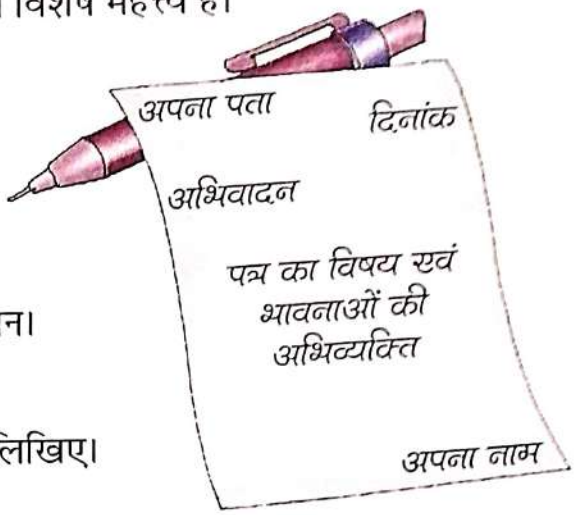


## पत्र लिखते समय इन बातों का ध्यान रखें—

- पूरा पत्र बाईं तरफ़ से ही शुरू होगा।
- सबसे ऊपर अपना पता लिखिए।
- फिर पत्र लिखने की तारीख लिखिए।
- जिसे पत्र लिखा जा रहा है, उसके लिए उचित संबोधन।
- फिर अभिवादन।
- पत्र में जो कुछ कहना है, वह बात/वे बातें संक्षेप में लिखिए।
- पत्र पाने वाले के साथ अपना सम्बन्ध।
- अंत में अपना नाम।
- पत्र भेजनें वाले लिफ़ाफ़े पर पत्र पाने वाले का नाम और पता।
- पते के नीचे पिन कोड अवश्य लिखना चाहिए।
- पत्र की भाषा सरल और स्पष्ट हो।
- पत्र में वर्तनी तथा विराम-चिह्नों का उचित प्रयोग करें।

## पत्रों के भेद (Kinds of Letters)

पत्र दो प्रकार के होते हैं—1. व्यक्तिगत पत्र तथा 2. औपचारिक पत्र।

1. **व्यक्तिगत पत्र**—अपने मित्रों, सम्बन्धियों और घर वालों को लिखे जाते हैं।
2. **औपचारिक पत्र**—अधिकारी, प्रधानाचार्य, संपादक आदि को लिखे जाते हैं।

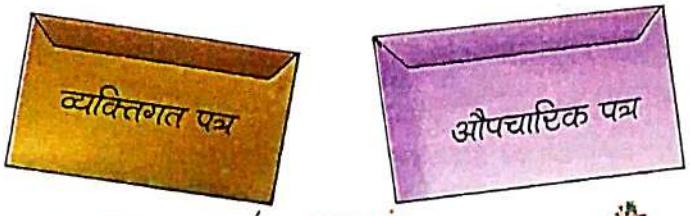

## 1. मामा जी को अपना परीक्षाफल बताते हुए पत्र

.....
.....
.....
.....

आदरणीय मामा जी,

सादर प्रणाम।

हम सब यहाँ पर सकुशल हैं। आशा करती हूँ कि आप भी वहाँ सकुशल होंगे। मामा जी, आपको जानकर खुशी होगी कि मैं अपनी कक्षा में पहले स्थान पर आई हूँ और मुझे स्कूल की तरफ़ से पुरस्कार भी मिला है। दादा जी ने मुझे उपहार में एक साइकिल दी है। मैं बहुत खुश हूँ और आपसे वादा करती हूँ कि आगे भी इसी तरह अच्छे नंबर लाऊँगी।

मेरी ओर से मामी जी को सादर प्रणाम।

आपकी भांजी

.....

## 2. मित्र के जन्मदिन पर उसे बधाई-पत्र

.....
.....
.....
.....

प्रिय मित्र ईशान,

सप्रेम नमस्कार

मैं और मेरे माता-पिता सभी सकुशल हैं। आशा है तुम भी कुशलपूर्वक होगे। मित्र, 26 जुलाई को तुम्हारा जन्मदिन है। उसके लिए मेरी और मेरे माता-पिता की ओर से तुम्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ। मैं एक छोटा-सा उपहार तुम्हारे जन्मदिन पर भेज रहा हूँ। तुम्हें अवश्य पसंद आएगा। बड़ों को मेरा प्रणाम और खुशी को प्यार। पत्र का उत्तर देना न भूलना।

तुम्हारा मित्र

.....

## 3. विद्यालय से दो दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी

.....

.....

.....

.....

**विषय :** अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र

महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मुझे कल रात से बुखार आ गया है। डॉक्टर ने मुझे दो दिन आराम करने के लिए कहा है।

अत: मैं दो दिन विद्यालय आने में असमर्थ हूँ। कृपया मुझे दिनांक ..... से ..... तक दो दिन का अवकाश प्रदान करें।

सधन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य

.....

कक्षा—तीन 'ब'

दिनांक— .....

**विशेष**— औपचारिक सरकारी पत्रों में पत्र का विषय बीच में लिखा जाता है। पारिवारिक पत्रों में विषय पत्र के बीच में नहीं लिखा जाता।

1. अपने भाई को पत्र लिखकर बताइए कि आपको चित्रकला में प्रथम पुरस्कार मिला है।
2. आपने गर्मियों की छुट्टियाँ कैसे बिताईं? यह बताते हुए अपने/अपनी मित्र को पत्र लिखिए।
3. अपनी नानी जी को जन्मदिन पर भेजे गए उपहार (घड़ी) के लिए धन्यवाद-पत्र लिखिए।
4. अपने दोस्त को परीक्षा में उसकी सफलता पर बधाई-पत्र लिखिए।
5. अवकाश के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

19

# कहानी-लेखन
## Story-Writing

कहानी सुनने का हर बच्चे को शौक होता है। दादा-दादी, नाना-नानी का नाम तो कहानी से जोड़ा जाता है। दादा-दादी, नाना-नानी मतलब—'कहानियों का पिटारा'। जब दादा जी या नानी जी कोई कहानी सुनाते/सुनाती हैं, तो सब बच्चे उसे कितना ध्यान से सुनते हैं। कहानी कहना और कहानी लिखना—दो अलग-अलग बातें हैं। कहानी कितनी रोचक और मनोरंजक है—यह कहानी सुनने और पढ़ने वालों के भावों से जाना जा सकता है।

आइए, तुम्हें कहानी लिखना सिखाएँ।

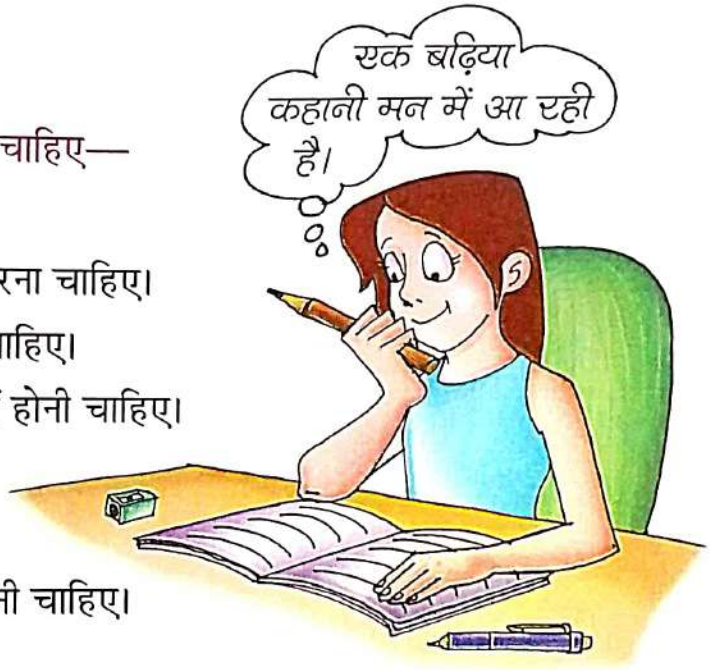


कहानी लिखते समय नीचे दी गई बातों का ध्यान रखना चाहिए—

- कहानी का विषय रोचक होना चाहिए।
- कहानी में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करना चाहिए।
- कहानी की भाषा सरल और स्पष्ट होनी चाहिए।
- कहानी की सभी बातें एक निश्चित क्रम में होनी चाहिए।
- कहानी संक्षिप्त होनी चाहिए।
- कहानी भूतकाल में लिखी जाती है।
- कहानी कोई शिक्षा या प्रेरणा देने वाली होनी चाहिए।

कहानी दो तरह से लिखी जा सकती है—

1. चित्र तथा संकेतों के आधार पर तथा
2. सहायक शब्दों के आधार पर।

बच्चो, यहाँ आपको दोनों ही तरीकों से कहानी लिखना सिखाया जा रहा है—

### चित्र तथा संकेतों के आधार पर कहानी-लेखन

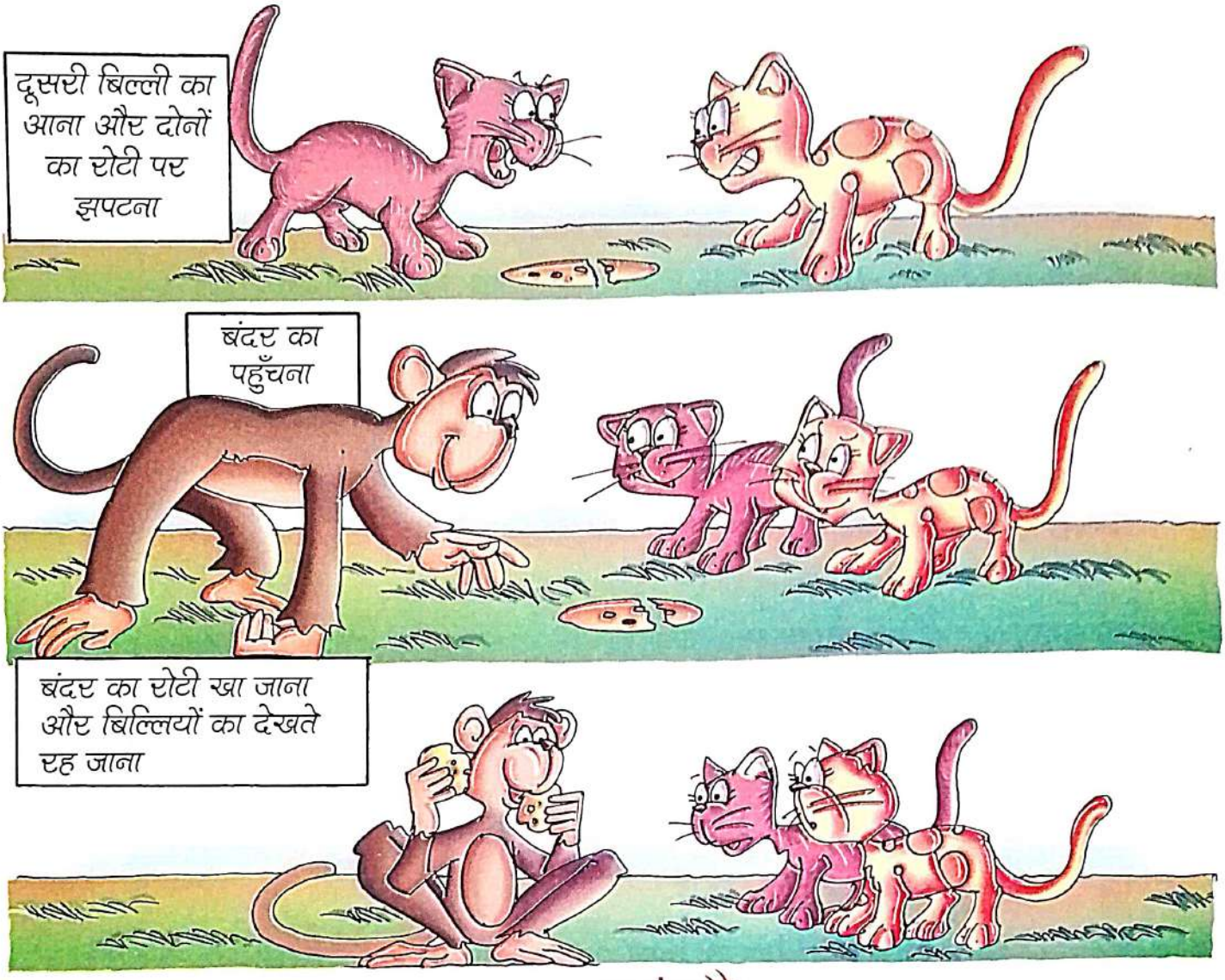


## चालाक बंदर

एक बिल्ली थी। एक दिन उसे रास्ते में एक रोटी मिली। तभी वहीं से एक दूसरी बिल्ली भी गुज़री। उसकी नज़र भी रोटी पर पड़ी। दोनों बिल्लियाँ रोटी पर झपटीं और रोटी को अपनी-अपनी तरफ़ खींचने लगीं। रोटी के दो टुकड़े हो गए। एक बड़ा टुकड़ा हुआ और एक छोटा। दोनों बिल्लियाँ बड़ा टुकड़ा लेना चाहती थीं। इस बात पर दोनों में झगड़ा हो गया। इतने में एक बंदर घूमते-घूमते वहाँ पहुँच गया। बंदर बिल्लियों को झगड़ते देखकर बोला—अरे भाई, लड़ो मत, मैं रोटी बाँटकर तुम्हारा झगड़ा सुलझा देता हूँ। बंदर की बात दोनों बिल्लियाँ मान गईं।

उसने सबसे पहले रोटी के दोनों टुकड़े देखे और फिर बड़े टुकड़े में से कुछ रोटी खा ली। अब दूसरा टुकड़ा बड़ा हो गया और पहला छोटा। उसने फिर दूसरे टुकड़े में से कुछ रोटी खा ली। इस तरह दोनों टुकड़ों को बराबर करता-करता वह पूरी रोटी खा गया और दोनों बिल्लियाँ देखती रह गईं।

**शिक्षा**—हमें आपस में कभी लड़ना नहीं चाहिए। इससे कोई तीसरा फ़ायदा उठा ले जाता है।

आइए, चित्र के आधार पर एक और कहानी पढ़ते हैं—

## सिद्धार्थ और हंस

1. एक दिन राजकुमार सिद्धार्थ बगीचे में खेल रहा था।
2. अचानक तीर लगा एक तड़पता हुआ हंस वहाँ आकर गिरा।
3. सिद्धार्थ ने तीर निकालकर हंस को बचाया।
4. तभी देवदत्त वहाँ आ पहुँचा।
5. देवदत्त ने कहा—"हंस को मैंने मारा है, यह मेरा है।"
6. सिद्धार्थ ने कहा—"इसे मैंने बचाया है, हंस मेरा है।"
7. बात राजा तक पहुँची, तो राजा ने फ़ैसला सुनाया—"मारने वाले से बचाने वाला बड़ा है, इसलिए हंस राजकुमार सिद्धार्थ का है।"

**शिक्षा**—जीवों पर दया करनी चाहिए।

## कुछ करके सीखें

### चित्रों और सहायक शब्दों के आधार पर कहानी लेखन

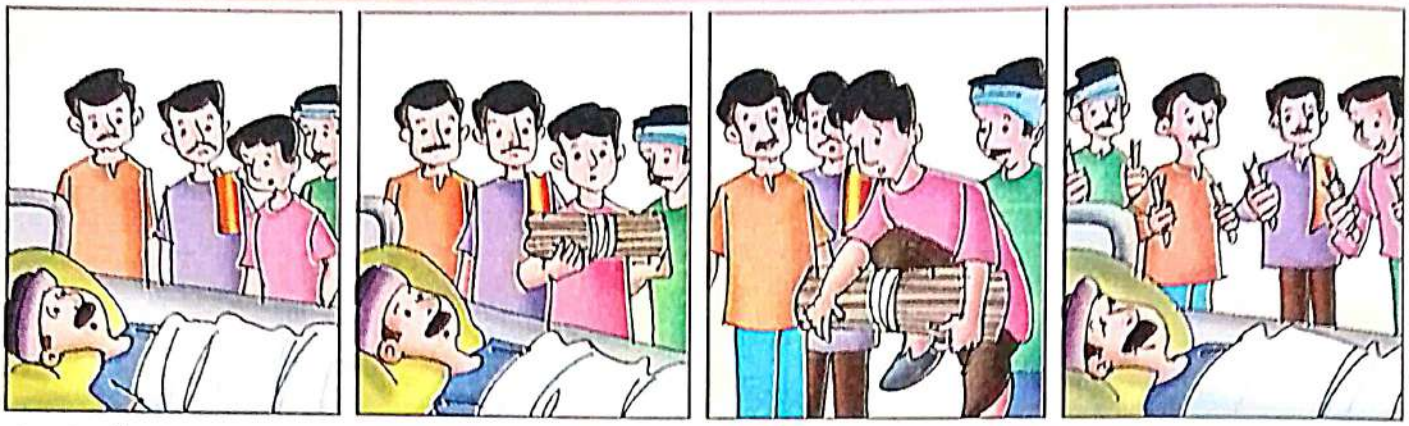

1. इन चित्रों को ध्यान से देखिए। इनकी सहायता से दिए गए शब्दों का प्रयोग करके एक कहानी लिखिए—

झगड़ते गट्ठर शक्ति चार एक-एक तोड़ने हानि तरकीब बँधा बेटों समझाया मेल लकड़ी आसानी तोड़ मिल-जुलकर कोई दुःखी एकता खुलवा बड़ी



किसी गाँव में एक किसान रहता था। उसके .................... बेटे थे। वे सदा आपस में .................... रहते थे। किसान उन्हें झगड़ते देखकर बहुत .................... होता था। उसने उन्हें बहुत .................... , पर उनमें .................... नहीं हुआ। एक दिन किसान को एक .................... सूझी। उसने लकड़ी का एक .................... मँगवाया, अपने चारों .................... को बुलवाया और एक-एक करके लकड़ी के गट्ठर को .................... को कहा। कोई भी उसे नहीं .................... पाया। फिर किसान ने उस गट्ठर को .................... दिया। उसने सबको एक-एक .................... दी और तोड़ने को कहा। सबने उसे .................... से तोड़ दिया। किसान ने समझाया—''जब तक गट्ठर .................... था, तब तक उसे तुममें से .................... भी नहीं तोड़ पाया, पर जब वह खुल गया, तो तुम सबने .................... लकड़ी को .................... आसानी से तोड़ दिया। इसी तरह यदि तुम सब .................... रहोगे, तो तुम्हें कोई .................... नहीं पहुँचा सकता। .................... में बहुत .................... होती है।''

2. सहायक शब्दों के आधार पर कहानी लेखन—

हाथी नदी दर्ज़ी दुकान दोस्ती केला सूई नहाने पानी सूँड़ गुस्सा वापस माँगने केले नाराज व्यस्त शरारत

एक जंगल में एक .................... रहता था। जंगल के पास ही एक .................... थी। वह रोज़ उसमें .................... जाता था। जंगल से नदी तक के रास्ते में एक .................... की .................... पड़ती थी। .................... प्रतिदिन उस .................... पर रुकता और फिर आगे बढ़ता था। उसकी .................... से अच्छी .................... हो गई थी। रोज़ .................... उसे .................... खाने को देता था।

एक दिन हाथी ..... में ..... के लिए जा रहा था। रास्ते में वह ..... की ..... पर रुका और ..... से केले ..... लगा। दर्ज़ी काम में बहुत ..... था। उसने ..... की तरफ़ देखा भी नहीं। हाथी बहुत देर तक खड़ा रहा, लेकिन दर्ज़ी ने उसे केला नहीं दिया। ..... की जगह उसकी ..... में ..... चुभो दी। दर्द से हाथी चिल्ला उठा। उसे दर्ज़ी की ..... पर बहुत ..... आया। वह वहाँ से ..... पर गया और अपनी ..... में ..... भर लाया। ..... आकर उसने दर्ज़ी से ..... होकर उसकी ..... में पानी फेंक दिया।

3. नीचे दिए गए संकेतों को पढ़कर कहानी लिखिए और उसका एक अच्छा-सा नाम भी लिखिए—

[1]

नदी के किनारे जामुन का पेड़
मगर और बंदर में दोस्ती
बंदर द्वारा मगर को जामुन देना
मगर की पत्नी को बंदर का कलेजा खाने की इच्छा
मगर द्वारा बंदर को निमन्त्रण
रास्ते में मगर का बंदर को सारी बात बताना
बंदर की बुद्धिमानी

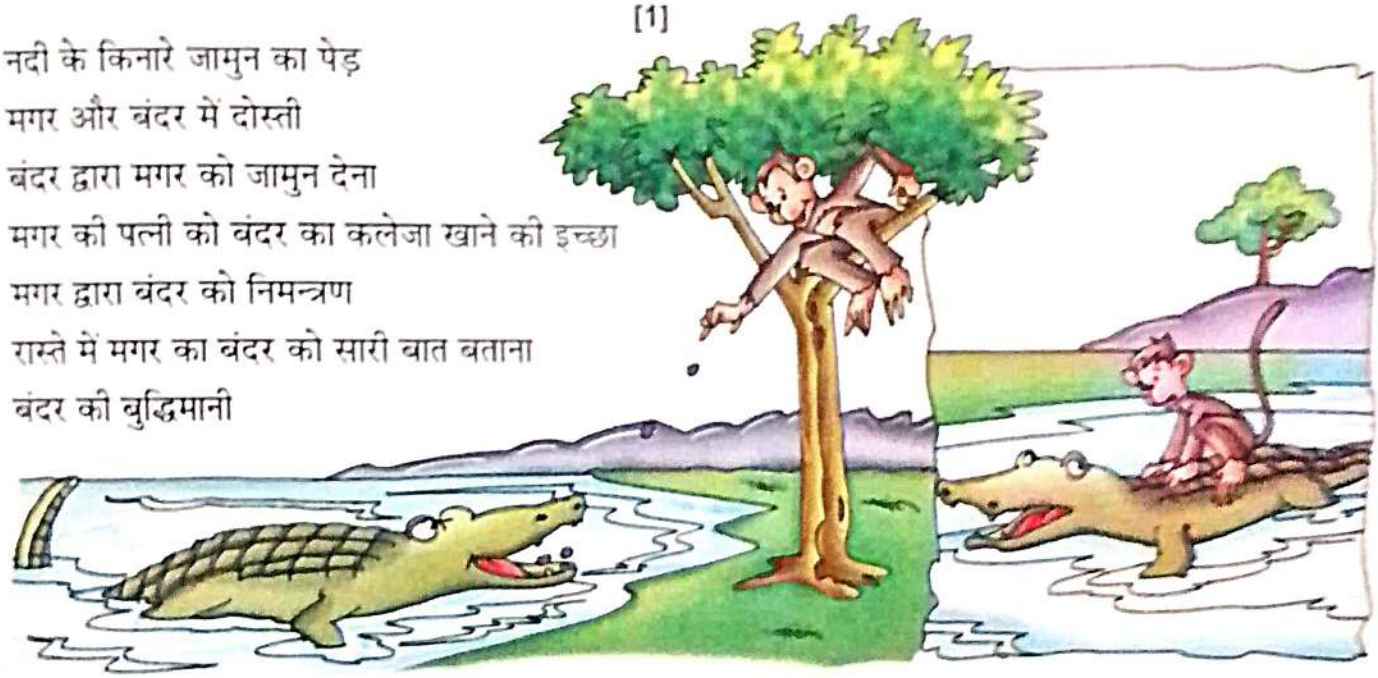

[2]

एक भूखी लोमड़ी का बगीचे में जाना .....
अंगूर की बेल को देखना ..... पके हुए
पीले-पीले अंगूर ..... अंगूर ऊँचाई पर
होना ..... अंगूर तोड़ने के लिए लोमड़ी
का बार-बार उछलना ..... अंगूर तक न
पहुँचना ..... निराश होकर चल देना
..... एक गीदड़ का सब देखना
..... लोमड़ी से पूछना .....
लोमड़ी का कहना ..... अंगूर खट्टे हैं।

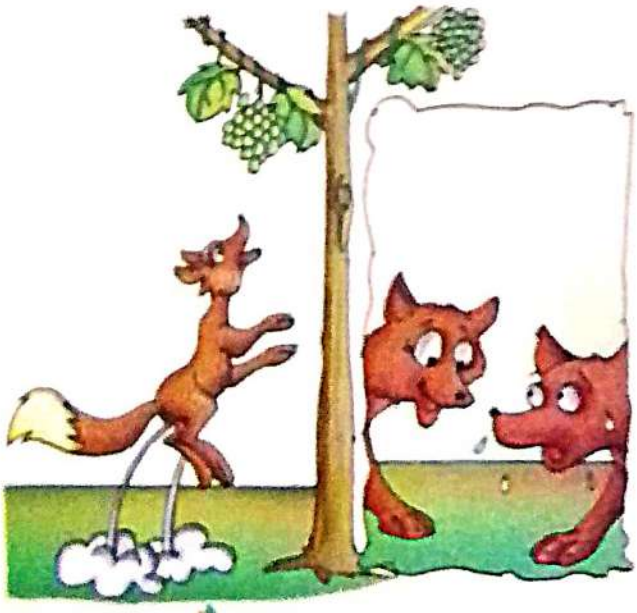

20

# निबन्ध-लेखन
## Essay-Writing

निबन्ध का अर्थ है—शब्दों व वाक्यों को अच्छी तरह से बाँधना। किसी विषय पर अपने अनुभव और कल्पना के आधार पर सही ढंग से लिखने को ही निबन्ध कहते हैं। निबन्ध को रुचिकर और प्रभावशाली बनाने के लिए मुहावरों और कहावतों का प्रयोग किया जाता है।

निबन्ध लिखने के लिए हमें निम्नलिखित बातों को अपनाना चाहिए—

- विषय के बारे में अच्छी तरह से सोच-समझ लेना चाहिए।
- विषय के अनुरूप ही भाषा एवं शब्दों को चुनना चाहिए।
- प्रत्येक नई बात को नई लाइन से ही आरम्भ करना चाहिए।
- विचारों को क्रम से लिखना चाहिए।
- भाषा सरल और सुबोध होनी चाहिए। ऐसी भाषा पढ़ने वाले को प्रभावित करती है।

आइए, अब हम निबन्ध लिखने के बारे में कुछ बातें बताएँ—

मान लो कि तुम्हें 'पेंसिल' शीर्षक पर निबन्ध लिखना है। तुम पेंसिल के विषय में सोचो। उसके बारे में स्वयं से कुछ प्रश्न करो। फिर पेंसिल के बारे में जितनी बातें ध्यान में आती हैं, उन्हें लिख लो। इन सब बातों को सही ढंग से लिखने पर हो गया निबन्ध तैयार।

आओ निबन्ध लिखें। हम निबन्ध को शीर्षक से आरम्भ करेंगे। शीर्षक है—"प्रात:काल का समय"।

### प्रातःकाल का दृश्य

प्रात:काल का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। सूरज निकलने से पूर्व आकाश में लालिमा छा जाती है। धीरे-धीरे एक लाल-पीला गोला पहाड़ों की गोद से निकलता जान पड़ता है। सूरज आकाश में पूरब दिशा से निकलता है। सूरज के निकलते ही सारा अंधकार मिट जाता है। इसकी रोशनी का मुकाबला किसी अन्य वस्तु की रोशनी नहीं कर सकती। प्रात:काल धीमी-धीमी वायु चलती है। इस वातावरण में सैर करने से चित्त प्रसन्न हो जाता है। प्रात:काल के समय आकाश में जादू-सा होता प्रतीत होता है। सभी अपना आलस्य त्यागकर काम-काज में लग जाते हैं।

## मेरी माँ

मेरी माँ बहुत प्यारी है। वे रोज सुबह घर में सबसे पहले उठ जाती हैं। घर के सब लोगों का ध्यान मेरी माँ ही रखती हैं। वे दादा-दादी का पूरा ध्यान रखती हैं। दादी कहती हैं कि मेरी माँ घर की लक्ष्मी है। मैं भी माँ को भगवान के समान मानता हूँ और उनकी हर बात मानता हूँ। मेरी माँ नौकरी भी करती हैं। घर और ऑफिस दोनों की जिम्मेदारी वे बहुत ही अच्छे से निभाती हैं। उनके सरल और सुलझे व्यवहार की तारीफ उनके ऑफिस के सारे लोग करते हैं। मेरी माँ गरीबों और बीमारों की भी हर सम्भव मदद करती हैं। मेरी माँ मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं। मैं जब कोई गलती करता हूँ तब माँ मुझे डाँटती नहीं हैं, बल्कि प्यार से समझाती हैं। उनके प्यार और ममतामयी स्पर्श को पाकर मैं अपने सारे दु:ख भूल जाता हूँ। मेरी माँ मेरी आदर्श हैं। वे मुझे सच के रास्ते पर चलने की सीख देती हैं। कहते हैं कि माँ ईश्वर के द्वारा हमें दिया गया एक वरदान है। मैं अपनी माँ से बहुत प्यार करता हूँ और भगवान को धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे दुनिया की सबसे अच्छी माँ दी।

## पालतू पशु : गाय

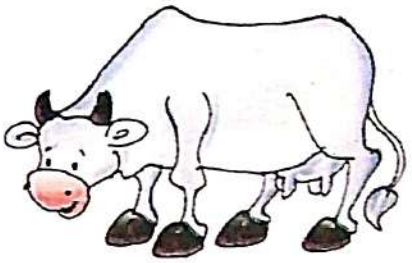

गाय एक पालतू पशु है। यह काली, सफेद और भूरे रंगों की होती है। गाय हरी घास खाती है और हमें दूध देती है। गाय का दूध बहुत मीठा और पौष्टिक होता है। यह बीमारों और बच्चों के लिए बेहद उपयोगी आहार माना जाता है। इसके अलावा दूध से कई तरह के पकवान बनते हैं। दूध से दही, पनीर, मक्खन और घी भी बनता है। गाय का दूध माँ के दूध की तरह लाभदायक होता है। गाय का गोबर फसलों के लिए सबसे उत्तम खाद है। गाँव में लोग इससे उपले भी बनाते हैं, जो चूल्हा जलाने के काम आते हैं। गाय का घी और गोमूत्र अनेक आयुर्वेदिक औषधियाँ बनाने के भी काम आता है। गाय के बछड़े बड़े होकर बैल बनते हैं जो बोझा ढोने और खेत जोतने के काम आते हैं। हमें गौ माता की रक्षा करनी चाहिए और उसके स्वास्थ्य व भोजन का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

## हमारा राष्ट्रीय ध्वज

प्रत्येक स्वतन्त्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतन्त्र देश होने का संकेत है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें तीन रंगों की पट्टियाँ हैं। इसमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी है। केसरिया रंग त्याग और बलिदान का प्रतीक है। ध्वज के बीच

में सफेद रंग की पट्टी है। सफेद रंग शान्ति और अहिंसा का प्रतीक है। इस पट्टी के मध्य में नीले रंग का चक्र है। इस चक्र में 24 तीलियाँ हैं। यह चक्र निरन्तरता और प्रगति का प्रतीक है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता और अखण्डता का प्रतीक है। यह चक्र अशोक की राजधानी सारनाथ के शेर के स्तम्भ से लिया गया है। तिरंगे में सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी है। हरा रंग खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता और अखण्डता का प्रतीक है। यह सभी सरकारी भवनों व सरकारी कार्यालयों पर लहराता रहता है। इसे राष्ट्रीय पर्वों पर फहराया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज हमारी शान है। इसका कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

## कुछ करके सीखें

- निम्नलिखित विषयों पर 80 शब्दों में निबन्ध लिखिए—

1. मेरा घर
2. मेरा जन्मदिन
3. स्वतन्त्रता दिवस
4. दीपावली
5. मेरी अध्यापिका
6. मेरा प्रिय खेल
7. रक्षाबन्धन
8. मेरी दादी जी
9. होली

अपठित गद्यांश का अर्थ है—गद्य का ऐसा अंश जिसे पहले पढ़ा न गया हो।

बच्चो, यहाँ अपठित गद्यांश दिये जा रहे हैं जिन्हें पढ़कर छात्रों को प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। उत्तर दिए गए गद्यांश पर आधारित व सटीक होना चाहिए। नये पाठ्यक्रम के अनुसार प्रश्न बहुविकल्पीय भी हो सकते हैं।

निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दें—

- प्रश्नों का उत्तर गद्यांश में ही होता है।
- उत्तर की खोज के लिए गद्यांश को ध्यान से दो या तीन बार पढ़ना चाहिए।
- प्रश्नों के उत्तर गद्यांश के आधार पर ही देने चाहिए।
- जहाँ तक संभव हो उत्तर संक्षिप्त होने चाहिए।

मधुपुर गाँव के पास शम्भू का एक बहुत बड़ा बगीचा था। उसमें उसने आम, अमरूद और जामुन के पौधे लगाए। शम्भू बहुत मेहनत से पौधों की देखभाल करता था।

पास के गाँव के बच्चे प्रतिदिन बगीचे में खेलने आते थे। शम्भू बच्चों को बहुत प्यार करता था। बच्चे भी काम में उसका हाथ बँटाने लगे। देखते-ही-देखते पेड़ों पर फूल और फल आने लगे। शम्भू बच्चों को खूब फल खाने के लिए देता। बच्चे प्यार से उसे शम्भू काका कहकर बुलाने लगे।

1. सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) शम्भू का बगीचा कहाँ था?
(i) शहर के पास ( ) (ii) बस्ती के पास ( ) (iii) गाँव के पास (✓)

(ख) शम्भू पौधों की देखभाल कैसे करता था?
(i) मेहनत से (✓) (ii) लगन से ( ) (iii) प्यार से ( )

(ग) मदद करने के लिए कहानी में किस मुहावरे का प्रयोग हुआ है?
(i) आँख भर आना ( ) (ii) हाथ बँटाना (✓) (iii) पीठ थपथपाना ( )

(घ) बच्चे प्यार से शम्भू को क्या कहकर बुलाने लगे?
(i) दादा ( ) (ii) बाबा ( ) (iii) काका (✓)

II. तिब्बत को दुनिया की छत कहा जाता है, क्योंकि यह बहुत ऊँचे पठार पर स्थित है। पठार जमीन के ऐसे भाग को कहते हैं जो मैदान से ऊँचा और पहाड़ से नीचा होता है। तिब्बत के पठार पर ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हैं जो हिमालय का हिस्सा हैं। इन पहाड़ों की विशेषता यह है कि ये कई रंग के हैं। इन पथरीले पहाड़ों में तरह-तरह की मिट्टी और खनिज पदार्थ हैं। सूरज की किरणों के पड़ने से ये पहाड़ अनोखे रंगों में चमक उठते हैं।

प्रश्न 1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) तिब्बत को कहा जाता है—

(i) दुनिया का फर्श (ii) दुनिया का केन्द्र (iii) दुनिया की छत

(ख) तिब्बत के ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हिस्सा हैं—

(i) भारत का (ii) हिमालय का (iii) नेपाल का

प्रश्न 2– तिब्बत के पथरीले पहाड़ों में तरह-तरह की ............ और ............ हैं।

उत्तर— तिब्बत के पथरीले पहाड़ों में तरह-तरह की मिट्टी और खनिज पदार्थ हैं।

प्रश्न 3– पठार किसे कहते हैं?

उत्तर— पठार जमीन के ऐसे भाग को कहते हैं जो मैदान से ऊँचा और पहाड़ से नीचा होता है।

प्रश्न 4– तिब्बत के पहाड़ों की क्या विशेषता है?

उत्तर— तिब्बत के पहाड़ों की विशेषता यह है कि ये कई रंग के हैं।



## कुछ करके सीखें

- निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

I. विद्यार्थी-जीवन परिश्रम करने के लिए ही है। यदि तुम इस समय कठोर परिश्रम करके पढ़ोगे तो जीवन-भर सुखी रहोगे। बहुत-से बच्चे परिश्रम से जी चुराते हैं। ऐसे बच्चों को बड़े होने पर दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। जरा सोचो, यदि एक शेर अपनी गुफा में लेटा रहे और शिकार करने न जाये तो क्या उसका शिकार अपने आप उसके मुँह में आ जायेगा? नहीं। बहुत-से बच्चे सोचते हैं कि हम परिश्रम क्यों करें? यदि हमारे भाग्य में होगा तो हमें अवश्य सफलता मिलेगी। परंतु यह बात सत्य नहीं है। भाग्य भी उसी का साथ देता है, जो परिश्रमी होता है। परिश्रम करो, पर फल की इच्छा मत करो। इस बात को सदैव याद रखो। परिश्रम के साथ ईमानदारी का होना भी आवश्यक है। परिश्रम करने से जब सफलता मिले तब अभिमान मत करो।

प्रश्न 1– सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) जीवन में हमें सफलता प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?

(i) परिश्रम (ii) पढ़ाई

(iii) व्यायाम (iv) पौष्टिक भोजन

(ख) सफलता मिलने पर हमें क्या नहीं करना चाहिए?

(i) काम (ii) अभिमान (iii) व्यायाम (iv) आराम

प्रश्न 2– परिश्रम नहीं करने पर क्या सहना पड़ता है?

उत्तर— .....

प्रश्न 3– भाग्य किसका साथ देता है?

उत्तर— .....

प्रश्न 4– इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए—

उत्तर— .....

II. एक समय की बात है। चंदन वन में बहुत गर्मी पड़ी। सरोवर सूखने लगा। सरोवर में एक कछुआ रहता था। वह भी परेशान हो गया। सरोवर के पास दो हंस भी रहते थे। हंसों ने सोचा, अब कहीं दूसरी जगह चलते हैं, जहाँ हमें पानी मिल सके।

एक हंस ने कहा, "हम नंदन वन की तरफ़ चलते हैं।" दूसरे हंस ने कहा, "हाँ। लेकिन इस कछुए का क्या होगा?"

"यह बेचारा तो मर जाएगा।"

"इसे भी साथ ले चलते हैं।"

"मगर कैसे?"

दोनों हंसों ने एक डंडी ली, किनारों से उसे पकड़ा और कछुए ने बीच में मुँह से पकड़ ली।

प्रश्न 1– सही उत्तर पर सही ( ✓ ) का चिह्न लगाइए—

(क) गर्मी कहाँ पड़ी थी?

(i) चंदन वन में (ii) नंदन वन में (iii) कहीं नहीं

(ख) सरोवर में कौन रहता था?

(i) मछली (ii) मेंढक (iii) कछुआ

(ग) हंस किसको साथ ले गए?

(i) मछली को (ii) केकड़े को (iii) कछुए को

प्रश्न 2– हंस ने किस वन की तरफ चलने को कहा?

उत्तर— .....

प्रश्न 3– इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए—

उत्तर— .....

III. एक नगर में एक शिकारी रहता था। वह रोज़ जंगल में शिकार करने जाता था। पशुओं को मारकर उनकी खाल को बाज़ार में बेच देता था। इससे वह बहुत-सा धन कमाता था। एक दिन उसने खरगोश को पकड़ लिया। उसने सोचा, खरगोश को बेचने पर इसके अच्छे दाम मिलेंगे। वह खरगोश को लेकर जा रहा था कि रास्ते में उसे एक लोमड़ी दिखाई दी। लालच में आकर उसने खरगोश को छोड़कर लोमड़ी को पकड़ लिया। उसने सोचा, कोई-ना-कोई इसके मुँह माँगे दाम दे ही देगा।

प्रश्न 1– शिकारी शिकार करने कहाँ जाता था?

उत्तर— .....

प्रश्न 2– शिकारी ने सबसे पहले किसे पकड़ा था?

उत्तर— .....

प्रश्न 3– किस कारण शिकारी ने खरगोश को छोड़ दिया?

उत्तर— .....

प्रश्न 4– उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए—

उत्तर— .....

IV. संगति का मनुष्य पर सबसे गहरा प्रभाव पड़ता है। हम जैसे लोगों के साथ रहते हैं हमारा स्वभाव भी वैसा ही हो जाता है। थोड़े से सत्संग से रत्नाकर डाकू से महामुनि बन गया और थोड़े से कुसंग से रानी कैकेयी का जीवन सदा-सदा के लिए निंदनीय हो गया। अच्छी संगति के कारण व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त होता है, उसके व्यक्तित्व में निखार आता है। इसके विपरीत यदि व्यक्ति बुरी संगति वाले लोगों के साथ उठता-बैठता है तो वह बुराई के दलदल में फँसता चला जाता है। वह अपने लिए मुसीबतों का मार्ग खोल लेता है। बुरी संगति व्यक्ति के चारित्रिक पतन का कारण बनती है। बुरी संगति से केवल अपमान और अपयश प्राप्त होता है। अत: मनुष्य को सदैव अच्छी संगति करनी चाहिए।

प्रश्न 1– मनुष्य पर किसका गहरा प्रभाव पड़ता है?

उत्तर— .....

प्रश्न 2– कौन डाकू से महामुनि बना?

उत्तर— .....

प्रश्न 3– बुरी संगति से क्या होता है?

उत्तर— .....

प्रश्न 4– 'यश' का विलोम शब्द लिखिए।

उत्तर— .....

प्रश्न 5– इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइए।

उत्तर— .....

# PERIODIC TEST Term 1

(अध्याय 1 से 6 पर आधारित)

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। समय :

पूर्णांक :

**(क) सही उत्तर पर सही ( ✓ ) का चिह्न लगाइए—**

1. हिन्दी भाषा लिखी जाती है—
   (i) गुरुमुखी लिपि में ☐ (ii) रोमन लिपि में ☐ (iii) देवनागरी लिपि में ☐
2. मानव के अंग होते हैं—
   (i) दो ☐ (ii) तीन ☐ (iii) चार ☐
3. 'गंगा' शब्द किस प्रकार की संज्ञा है?
   (i) जातिवाचक ☐ (ii) व्यक्तिवाचक ☐ (iii) भाववाचक ☐

**(ख) कोष्ठक में से उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए—**

1. मन के भावों को व्यक्त करने का साधन ..... है।
2. हिन्दी में ..... स्वर है।
3. ..... हमारी राजभाषा है।
4. हिन्दी के वर्णों को ..... भाषा वर्गों में बाँटा गया है।
5. सभी भाषाओं की अपनी-अपनी ..... होती है

हिन्दी
ग्यारह
लिपि
भाषा
दो

**(ग) शब्द-समूहों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए—**

1. विद्यालय रहेगा बंद कल। .....
2. कैसी गेंद चाहिए तुझे। .....
3. फूल तोड़ो मत। .....
4. हरी-हरी घास है मैदान में। .....

**(घ) निम्नलिखित वाक्यों से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए—**

1. रवि पुस्तक पढ़ रहा है। .....
2. तितली फूल पर बैठी है। .....
3. दिल्ली भारत की राजधानी है। .....
4. चिड़िया उड़ रही है। .....

**(ङ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए—**

| | | | |
|---|---|---|---|
| गोर | ..... | राजा | ..... |
| शेर | ..... | दादा | ..... |
| हाथी | ..... | लड़का | ..... |

**(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

1. व्याकरण किसे कहते हैं?
2. संज्ञा किसे कहते हैं?
3. पुल्लिंग से आप क्या समझते हैं?

# HALF-YEARLY Test Paper

(अध्याय 1 से 12 पर आधारित)

समय : .....

पूर्णांक : .....

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

## ( क ) सही उत्तर पर सही ( ✓ ) का चिह्न लगाइए—

1. सर्वनाम के भेद हैं—
   (i) चार ☐ (ii) पाँच ☐ (iii) छः ☐
2. क्रिया के मूल रूप को ..... कहते हैं।
   (i) धातु ☐ (ii) कर्म ☐ (iii) कर्ता ☐
3. 'वह व्यक्ति कहाँ चला गया?' इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण है—
   (i) संकेतवाचक ☐ (ii) संख्यावाचक ☐ (iii) गुणवाचक ☐
4. 'वह लड़का सुन्दर है।' इस वाक्य में विशेष्य है—
   (i) वह ☐ (ii) लड़का ☐ (iii) सुन्दर ☐
5. हिन्दी वर्णमाला में वर्णों की संख्या है—
   (i) 52 ☐ (ii) 44 ☐ (iii) 35 ☐

## ( ख ) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| त्यौहार | ..... | आर्शीवाद | ..... |
| तीथि | ..... | बिमारी | ..... |
| दिपावली | ..... | स्वास्थ | ..... |
| परिक्षा | ..... | श्रीमति | ..... |

## ( ग ) निम्नलिखित शब्दों को उचित विलोम शब्दों से मिलाइए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | सुबह | (i) | जाना |
| 2. | आना | (ii) | झूठ |
| 3. | नया | (iii) | जीत |
| 4. | सच | (iv) | शाम |
| 5. | हार | (v) | पुराना |

## ( घ ) निम्नलिखित संयुक्त व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| क्ष | = | ..... | ..... |
| त्र | = | ..... | ..... |
| ज्ञ | = | ..... | ..... |
| श्र | = | ..... | ..... |

(ङ) बॉक्स में दिए गए संज्ञा शब्दों से खाली स्थान भरिए—

1. राम अपने ..... चला गया।
2. ..... पर बर्फ जमी है।
3. हिरन ..... पर पानी पी रहा है।
4. ..... कहाँ पर लगा है?
5. माँ ..... काट रही है।

| |
|---|
| पहाड़ |
| तालाब |
| फल |
| मेला |
| घर |

(च) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| रोटी | ..... | लड़की | ..... |
| जाति | ..... | कविता | ..... |
| बच्चा | ..... | बस्ता | ..... |
| मेले | ..... | महिलाएँ | ..... |

(छ) निम्नलिखित वाक्यों के सामने अकर्मक या सकर्मक लिखिए—

1. रोहित खेल रहा है। .....
2. महिमा पत्र लिखती है। .....
3. डाली पर फूल खिला। .....
4. लड़की बैठी है। .....

(ज) निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के लिए उचित विशेषण पर सही (✓) का निशान लगाइए—

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. जामुन | — | लाल | ☐ | काली | ☐ | हरी | ☐ |
| 2. सेब | — | खट्टा | ☐ | नया | ☐ | मीठा | ☐ |
| 3. कुत्ता | — | वफादार | ☐ | गद्दार | ☐ | पहरेदार | ☐ |
| 4. पर्वत | — | नीचा | ☐ | ऊँचा | ☐ | पुराना | ☐ |

(झ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. धातु किसे कहते हैं?
2. गुणवाचक विशेषण की परिभाषा लिखिए।
3. सर्वनाम किसे कहते हैं?
4. वचन कितने प्रकार के होते हैं?
5. बोली से आप क्या समझते हैं?

## PERIODIC TEST : Term 2

(अध्याय 1 से 18 पर आधारित)

समय : .....

पूर्णांक : .....

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

### (क) सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए—

1. मुहावरे अंश होते हैं—
   (i) शब्दों के ☐ (ii) वाक्यों के ☐ (iii) वर्णों के ☐
2. 'जैसा-वैसा' सर्वनाम शब्द का सही भेद है—
   (i) सम्बन्धवाचक सर्वनाम ☐ (ii) पुरुषवाचक सर्वनाम ☐ (iii) निजवाचक सर्वनाम ☐
3. 'हिरणों का झुण्ड' कौन-सी संज्ञा का उदाहरण है?
   (i) व्यक्तिवाचक ☐ (ii) जातिवाचक ☐ (iii) भाववाचक ☐

### (ख) दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए—

1. क्रिया के बिना ..... अधूरा होता है।
2. कर्ता जो कार्य करता है, वह ..... कहलाता है।
3. काम करने वाला ..... कहलाता है।
4. विशेषता बताने वाले शब्द ..... कहलाते हैं।
5. ..... के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं।

कर्म
वाक्य
विशेषण
कर्ता
संज्ञा

### (ग) मुहावरों को उनके सही अर्थ से मिलाइए—

| | |
|---|---|
| 1. हाथ मलना | (i) शाबाशी देना |
| 2. नौ दो ग्यारह होना | (ii) पछताना |
| 3. मुँह में पानी भर आना | (iii) चुगली करना |
| 4. पीठ थपथपाना | (iv) ललचा जाना |
| 5. कान भरना | (v) भाग जाना |

### (घ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

सूर्य — ..... .....

वृक्ष — ..... .....

आँख — ..... .....

कमल — ..... .....

### (ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. मातृभाषा किसे कहते हैं?
2. व्यंजन के भेदों के नाम लिखिए।
3. भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं?

# ANNUAL Test Paper

नोट–सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

समय : .....

पूर्णांक : .....

## (क) सही उत्तर पर सही ( ✓ ) का चिह्न लगाइए—

1. वर्णों का समूह कहलाता है—
   (i) वर्गमाला ☐ (ii) वर्णमाला ☐ (iii) व्यंजनमाला ☐
2. किस स्वर की मात्रा व्यंजन से पहले लगाते हैं?
   (i) ए ☐ (ii) ऐ ☐ (iii) इ ☐
3. 'नायक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है—
   (i) नायकी ☐ (ii) नायिका ☐ (iii) नायका ☐
4. स्वयं या अपने लिए प्रयोग होने वाले शब्दों को कहते हैं—
   (i) प्रश्नवाचक सर्वनाम ☐ (ii) निश्चयवाचक सर्वनाम ☐ (iii) निजवाचक सर्वनाम ☐
5. प्रश्न पूछने पर लगाते हैं—
   (i) प्रश्नसूचक ☐ (ii) पूर्णविराम ☐ (iii) अल्पविराम ☐

## (ख) कोष्ठक में से उचित शब्दों को चुनकर खाली स्थान भरिए—

1. पेड़ पर ..... कौआ बैठा है। (काली/काला)
2. यह मेरा ..... है। (घर/धर)
3. निकिता ..... वर्ष की है। (साथ/सात)
4. राहुल सत्य बोलता है। वह ..... है। (ईमानदार/सत्यवादी)
5. सुरभि ने ..... बस्ता खरीदा है। (नई/नया)

## (ग) सही कथन पर सही ( ✓ ) तथा गलत कथन पर गलत ( ✗ ) का चिह्न लगाइए–

1. सर्वनाम शब्दों में एकवचन तथा बहुवचन दोनों होते हैं। ☐
2. वचन चार प्रकार के होते हैं। ☐
3. एक–दूसरे का उलटा अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं। ☐
4. मुहावरे साधारण बात को एक विशेष रूप देते हैं। ☐
5. वाक्य के दो अंग होते हैं। ☐

## (घ) निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्दों से मिलान कीजिए—

| शब्द | विलोम शब्द |
|---|---|
| 1. कच्चा | (i) नीचा |
| 2. अँधेरा | (ii) हलका |
| 3. ऊँचा | (iii) पक्का |
| 4. भारी | (iv) दु:ख |
| 5. सुख | (v) उजाला |

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| केला | ..... | जूता | ..... |
| बच्चे | ..... | पंखे | ..... |
| जाति | ..... | रोटी | ..... |
| कविता | ..... | महिला | ..... |

(च) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए—

| | | | |
|---|---|---|---|
| अग्नि | = | ..... | ..... |
| घर | = | ..... | ..... |
| गुरु | = | ..... | ..... |
| हवा | = | ..... | ..... |

(छ) निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए—

1. तुम कहाँ जा रहे हो
2. वाह आप तो समय पर आ गए
3. अरे यह क्या हुआ
4. चलो मेला देखने चलें
5. सुख दु:ख जीवन का हिस्सा हैं

(ज) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए—

| | |
|---|---|
| जो आज्ञा मानता हो | ..... |
| जो देखने योग्य हो | ..... |
| जो चित्र बनाता हो | ..... |
| जो पढ़ा-लिखा न हो | ..... |

(झ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए—

| | | |
|---|---|---|
| आँखों का तारा | — | ..... |
| आग-बबूला होना | — | ..... |
| गले लगना | — | ..... |
| फूला न समाना | — | ..... |


An imprint of Vidya Prakashan Mandir (P) Ltd.